दैनिक

नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com

रायपुर, रविवार 18 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-70 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए

रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

ये अच्छा है। खुद कुछ मत करो और दूसरा कुछ करें तो उसने नील मेख निकालो। ऐसा एक आलोचक तलाशने निकलो तो हजार मिलेंगे। नगद की जरूरत ही नहीं उधार मिलेंगे। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के लिए ऐसा निट्ठल्ला चिंतन करने वाले तथा कथित ज्ञानी शासन प्रशासन को गरियाने का मौका नहीं छोड़ रहे है। सोशल मीडिया में सरकार की खामियां निकालने वालों की भरमार हो गई है। मानों सरकार ने पीला चांवल देकर कोरोना को न्यौता दिया हों। जबकि ये खुद इतना भी नहीं कर सकते कि बाहर निकले तो मास्क लगा लें और कुछ दिन घर में बैठे।

जिस घर मे एक हफ्ते में बजनी थी शहनाई, अब उसी दिन बारवे का कार्यक्रम

एक दिन में बिगड़ी तबियत, वेंटिलेटर न मिलने से हुई 23 वर्षीय युवक की मौत, दो परिवारों की खुशी गम में तब्दील

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। समीपस्त ग्राम फ़रहदा में 14 को कोरोना पीड़ित 27साल के युवक दुर्गा प्रसाद यादव पिता मनहरण यादव की मौत इसीलिए हो गई क्योंकि उसे न वेंटिलेटर मिला, न अस्पताल। परिजन वेंटिलेटर वाला अस्पताल खोजते

एक दिन का राशन सरकार को भेंट करेंगे ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि यदि उस युवक को इलाज सही समय पर मुहैया हो जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी, लेकिन सरकारी अस्पतालों में इंतजाम न हो पाने कर कारण ग्राम के इस युवक को सही समय पर इलाज नही मिल पाया और उसकी मृत्यु हो गई। गांव के सरपंच शांता शत्रुहन साहू ने बताया कि गांव के एक एक युवा व्यक्ति की तबियत 12 अप्रैल को खराब हुई और उसका कोविड टेस्ट कराया गया जिसमें उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी वही उसे ईलाज के लिए रायपुर ले जाया गया जहाँ चिकित्सकों ने कहा कि उसका ऑक्सीजन लेवल कम है और उसे वेंटिलेटर की जरूरत है पर रायपुर में किसी भी सरकारी अस्पताल में जगह न हो पाने के कारण उसका ईलाज नही हो पाया हमने कोविड हेल्पलाईन नंबर पर भी फोन किया उन्होंने लालपुर ले ■ शेष पृष्ठ 6 पर

> हमारी सरकार से यही मांग है कि क्षेत्र में बढ़ रहे कोरोना मरीजो की संख्या को देखते हुए ग्राम फ़रहदा के स्वास्थ केंद्र को कोविड अस्पताल बनाया जाए, जिससे कि आस पास के ग्रामीणों को यहां जगह मिल सकें। **शान्ता शत्रुहन साहू, सरपंच ग्राम पंचायत फ़रहदा**

रहे। अंततः हासिल आई मौत। दुखद यह भी है कि 24 अप्रैल को उसकी शादी थी। व्यवस्था से हार चुके ग्रामीणों ने विरोध में शुक्रवार को किसी के घर में चूल्हा नहीं जलाया और इस एक दिन के बचत अनाज को विरोध स्वरूप सरकार को देंगे ।

युवक की 24 अप्रैल को शादी थी, जिससे उसके परिवार में खुशी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अब राजधानी 26 तक लॉक

राशन दुकान सहित सब्जी और फल के स्ट्रीट वेंडर को मिली छूट

■ **लॉकडाउन को 26 अप्रैल तक बढ़ा**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में कोरोना संक्रमण की बेकाबू रफ्तार को देखते हुए लॉकडाउन को 26 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। जिला प्रशासन ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोगों की परेशानियों को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। इस लॉकडाउन में राशन दुकानों और सब्जी और फल के स्ट्रीट वेंडर को छूट दी गई है। वे मुहल्लें और कॉलोनियों में स्ट्रीट वेंडर सब्जी और फल बेच सकेंगे। वहीं बैंक कर्मियों को भी छूट दी गई है।

आम जनता को मिलेगी राहत

सीएम बघेल ने लॉकडाउन के कारण आम जनता को होने वाली परेशानियों को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने सब्जी व फल घर-घर जाकर बेचने की अनुमति देने की बात कही थी। पशु आहार केंद्र भी खुलेंगे। पीडीएस की दुकानों में टोकन सिस्टम से खाद्यान्न का वितरण होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

कोई भी सब्जी और फल दुकाने नहीं खुलेगी

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से साफ कहा है, लॉकडाउन की अवधि में कोई भी सब्जी एवं फल की दुकान नहीं खुलेगी। सब्जी-फल उत्पादक किसानों से सीधे सब्जी-भाजी, फल क्रय कर उसे गली-मोहल्लों में घर-घर जाकर बेच सकेंगे। उन्होंने गांवों में सब्जी एवं फल की खेती करने वाले किसानों को यदि वह शहर आकर कॉलोनियों एवं मोहल्लों में डोर-टू-डोर सब्जी-फल बेचना चाहते हैं तो उन्हें भी इसकी अनुमति देने के निर्देश दिए हैं।

लॉकडाउन की अवधि में संक्रमित मामलों की बढ़ेगी संख्या, इसलिए बढ़ा लॉकडाउन

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। रोजाना प्रदेश के अलग-अलग जिलों से सैकड़ों नए मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि सरकार संक्रमण पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयासरत है, लेकिन हालात को देखते हुए प्रदेश के लगभग सभी जिलों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। इसी बीच राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि लॉकडाउन बढ़ाया जाएगा। हालांकि सरकार ने इस दौरान रियायत देने की बात कही है। बता दें कि इस संबंध में अभी भी किसी भी जिला प्रशासन की ओर से अभी निर्देश जारी नहीं किया गया है।

राजधानी अस्पताल के कोरोना वार्ड में लगी आग, कोरोना मरीज की जिंदा जलकर मौत

रायपुर। राजधानी के कोविड अस्पताल में लगी भीषण आग में एक कोरोना मरीज की जलकर मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर होने की जानकारी मिली है। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और अस्पताल में भर्ती मरीजों की मदद जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार पचपेड़ी नाका स्थित राजधानी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में दोपहर कोरोना वार्ड में आग लग गई। शुरूआती जांच में पता चला है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है, कुछ ही समय में आग पुरे वार्ड में फैल गई। इस घटना के चपेट में दो कोरोना मरीज आ गए जिनमें से एक की मौत की खबर मिल है और दूसरे मरीज की हालत गंभीर बताई जा रही है। राजधानी अस्पताल में बने कोरोना वार्ड में लगभग 30 मरीज भर्ती थे। मरीजों को वहां से निकालकर दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। कुछ समय बाद दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गई।

राज्यपाल ने बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सतर्कता बरतने की अपील की

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रदेशवासियों से कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर सजगता और सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें और विशेष सावधानी बरतें। सामाजिक दूरी का पालन करें, मास्क अवश्य लगाएं तथा हाथों को बार-बार धोते रहें। उन्होंने कहा है कि हम अपना आत्मबल बनाए रखें, धैर्य रखें। हमने कोरोना संक्रमण के पहले चरण में एकजुट होकर सामना किया था। इस बार भी एकजुटता दिखानी है। यह सभी के लिए संकट का समय है, जैसा भी हो सके सेवा कार्य के लिए आगे आए। इस समय मानवता के लिए की गई सेवा राष्ट्र के प्रति सच्ची सेवा होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रयास करना है कि हरसंभव एक-दूसरे की मदद करें।

सरकार ने घटाए कई दवाइयों के दाम

रेमडेसिविर हुई 1900 रुपए सस्ती

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों ने आम जनता से लेकर सरकार तक की चिंता बढ़ा दी है। पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुकी इस महामारी की दूसरी लहर ज्यादा खतरनाक है। डबल म्यूटेंट वायरस ने मरीजों की सेवा में जुटे डॉक्टर, नर्स और अन्य पैरामेडिकल स्टाफको भी संक्रमित करने लगा है। राज्य सरकारें मामलों को देखते हुए प्रतिबंध लगा रही है। इस बीच एक बात जिसने सभी को परेशान कर रखा है, वह है देश के अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की कमी। इसके अलावा दवाईयों की कालाबजारी से लड़ना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

5400 से घटाकर 3500 से नीचे कर दिया

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल राज्यों को ऑक्सीजन की सप्लाई को लेकर एक हाई लेवल बैठक की, जिसमें राज्यों के साथ तालमेल बिठाने का निर्देश दिया है। अब केंद्र सरकार ने कोरोना के मरीजों के लिए जरूरी दवाई रेमडेसिविर के दाम को 5400 से घटाकर 3500 से नीचे कर दिया है। सरकार ने कैडेलिया हेल्थकेयर लिमिटेड की दवाई REMDAC

की कीमत 2800 रुपए से घटाकर 899 कर दिया है। इसके अलावा सिंजेन इंटरनेशनल लिमिटेड की दवाई RemWin को 3950 से घटाकर 2450, सिप्ला लि. की CIPREMI को 4000 से घटाकर 3000, Mylan फार्मासुटिक्लस लि. की DESREM की कीमत को 4800 रुपए से घटाकर 3400 कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने JUBI-R के दाम में भी 1300 रुपए की कटौती की घोषणा की है। यह दवाई पहले 4700 रुपे में मिलती थी, जो कि अब 3400 रुपए में मिलेगी। सरकार ने इसके अलावा COVIFOR के दाम में भी कटौती की है। यह दवाई अब 5400 रुपए की जगह सिर्फ 3490 रुपए में मिलेगी।

खास-खबर

साढ़े तीन साल बाद जेल से बाहर आएंगे लालू

रांची। चारा घोटाले के दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को जमानत दे दी। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत ने शर्तों के साथ उन्हें जमानत दी है। लालू प्रसाद ने अपने स्वास्थ्य और दुमका कोषागार केस में मिली आधी सजा काट लेने के आधार पर जमानत मांगी थी। करीब साढ़े तीन साल बाद लालू प्रसाद जेल से नियमित जमानत पर बाहर आएंगे।

जरूरतमंदों के 'मददगार' सोनू सूद को हुआ कोरोना

मुंबई । अभिनेता सोनू सूद कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उनके कोरोना संक्रमित होने के बाद प्रशंसक उनके लिए दुआएं कर रहे हैं। सोनू सूद ने हाल ही में अमृतसर में कोविड 19 की पहली डोज ली थी। सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'कोविड पॉजिटिव, मूड और स्प्रिट सुपर पॉजिटिव। सभी को हाय। आपकी जानकारी के लिए है कि आज सुबह मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है।

दीप सिद्धू फिर गिरफ्तार, कुछ घंटे पहले ही मिली थी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 26 जनवरी के हिंसा मामले के एक आरोपी दीप सिद्धू को जमानत के कुछ ही घंटे बाद फिर से गिरफ्तार कर लिया है। दीप सिद्धू को आज ही दिल्ली की एक अदालत ने जमानत दी थी। सिद्धू के वकील ने अदालत से कहा था कि केवल मौजूदगी ही उनके मुवक्किल को गैर कानूनी रूप से एकत्र होने का आरोपी नहीं बना देती और वह एक ईमानदार नागरिक है, जो प्रदर्शन का हिस्सा था।

देश में नहीं है वैक्सीन की कोई समस्या... केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन बोले-

राज्यों को अब तक 14 करोड़ से अधिक डोज की सप्लाई

नई दिल्ली। देश में कोरोना वैक्सीन की किल्लत को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि टीके की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा देश में आज सुबह तक राज्यों को वैक्सीन की 14 करोड़ 15 लाख डोज़ सप्लाई की गई हैं, वेस्टेज को मिलाकर सब राज्यों ने लगभग 12, 57,18,000 वैक्सीन की डोज़ का इस्तेमाल किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 11 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोरोना वायरस को लेकर बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस समय राज्यों के पास एक करोड़ 58 लाख डोज़ हैं और सप्लाई के

अंदर वैक्सीन की 1,16,84,000 डोज़ हैं। वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि शाम आठ बजे तक 26.14 लाख से अधिक खुराकें दिये जाने के साथ ही देश में दी गई कोविड-19 टीके की खुराकों की संख्या 12 करोड़ के करीब पहुंच गई है।

टीकाकरण की उम्र 25 साल करे सरकार : सोनिया

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि कोरोना महामारी तेजी से फैल रही है और सभी आयु वर्ग के लोग इसकी चपेट में आ रहे है, इसलिए सरकार को टीकाकरण की उम्र घटाकर 25 वर्ष करनी चाहिए। श्रीमती गांधी ने शनिवार को यहां पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को कोरोना के फैलाव को देखते हुए टीकाकरण की उम्र पर फिर से विचार करना चाहिए और स्वास रोग, मधुमेह तथा किडनी रोग जैसी घातक बीमारियों से पीड़ित 25 साल से ज्यादा उम्र के युवकों को भी यह टीका लगाया जाना चाहिए। सरकार साढ़े छह करोड़ से ज्यादा टीकों का निर्यात कर चुकी है। भारत में कोरोना के सबसे ज्यादा रोगी है और उनकी संख्या को देखते हुए सरकार को इसका इस्तेमाल पहले अपने लोगों को सुरक्षा देने के लिए करना चाहिए।

ममता को दो मई को पूर्व सीएम का प्रमाण पत्र मिलेगाः मोदी

आसनसोल (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को आगामी दो मई को 'पूर्व मुख्यमंत्री' को प्रमाण पत्र मिलेगा। श्री मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया गया कि सुश्री बनर्जी बंगाल के विकास के खिलाफहैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री बनर्जी पश्चिम बंगाल के लोगों और केंद्रीय कल्याण योजनाओं के बीच एक दीवार की तरह खड़ी हैं, जो उन्हें लाभ से वंचित करती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में दीदी (सुश्री बनर्जी) ने जनता को विकास के नाम पर धोखा दिया है। वह विकास के सामने एक दीवार की तरह खड़ी रही हैं।

श्री मोदी ने कहा, केन्द्र ने पांच लाख रुपये तक के मुफ्त हेल्थकेयर की सुविधा प्रदान की थी। केन्द्र ने शरणार्थियों की मदद के लिए कानून बनाया था जिसका सुश्री बनर्जी ने विरोध किया।

उन्होंने कहा कि केन्द्र ने मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक पर कानून बनाया तो भी सुश्री बनर्जी नाराज हो गयीं। केंद्र ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने के लिए कानून बनाया, मुख्यमंत्री ने इसका भी विरोध किया। श्री मोदी ने कहा कि बंगाल राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाना चाहता है और राज्य के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि आपका वोट राज्य से न केवल तृणमूल को हटाएगा बल्कि बंगाल को माफिया राज से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह सब मतदाताओं के वोट की ताकत से मुमकिन है।

उन्होंने कहा, बांग्ला नववर्ष के बाद से यह मेरी पहली रैली है। चार चरण के मतदान के बाद तृणमूल कांग्रेस घबरा गई है। दीदी शवों पर राजनीति कर रही है।

राजनीति

देश में कोरोना से लगातार लोग मर रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी चुनाव में व्यस्त हैं

उद्धव ने पीएम को ऑक्सीजन के लिए किया फोन, जवाब - बंगाल गए हैं : नवाब

■ **ऑक्सीजन की कमी और रेमेडिसविर के बारे में फोन पर पीएम मोदी से संपर्क करने की कोशिश की**

नई दिल्ली/ए.। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कोरोना उपचार की दवा ऑक्सीजन और रेमेडिसविर की कमी की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बताया गया कि वह चुनावी दौरे पर पश्चिम बंगाल गए थे।

राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने यह दावा शनिवार को किया है। नवाब

मलिक ने कहा कि मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) ऑक्सीजन की कमी और रेमेडिसविर के बारे में फोन पर पीएम मोदी से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें सूचित किया गया कि प्रधानमंत्री बंगाल दौरे पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग मर रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी चुनाव में व्यस्त हैं। नवाब मलिक का हमला ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम बंगाल में सभी राजनीतिक दल राज्य में कोरोनो वायरस के प्रसार के बीच बड़ी-बड़ी सभाएं कर रहे हैं।

हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मलिक के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने शुक्रवार को कोरोना के मामलों में वृद्धि के बीच ऑक्सीजन की आपूर्ति की स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों के लगातार संपर्क में है।

राज्यों से तालमेल के लिए समीक्षा बैठक की

शुक्रवार को पीएम मोदी ने दिल्ली, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने राज्यों के साथ तालमेल बिठाने के निर्देश दिए।

सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है महाराष्ट्र

शिवसेना नेता के इस आरोप के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने ट्विटर के जरिए पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ''यह चौकाने वाला है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने ऑक्सीजन के तत्काल सप्लाई के लिए प्रधानमंत्री को फोन किया तो कहा गया पीएम बंगाल में प्रचार कर रहे हैं। वापस आने पर इसका जवाब देंगे। वर्तमान में महाराष्ट्र देश का सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित राज्य है। सख्त प्रतिबंध के बावजूद, शुक्रवार को 63,729 नए मामले सामने आए। इस महामारी ने शुक्रवार को 398 लोगों कीजान ले ली। आपको बता दें कि अब राज्य में मरने वालों की संख्या 59,551 है।

ऑक्सीजन के नाम पर 'ड्रामा' कर रहे हैं उद्धव ठाकरे : पीयूष

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर शुक्रवार को ऑक्सीजन के नाम पर 'ड्रामा' करने का आरोप लगाया और कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र 110 प्रतिशत की क्षमता के साथ काम कर रहे हैं।

श्री गोयल ने शनिवार को एक ट्वीट श्रृंखला में कहा कि महाराष्ट्र में अक्षम और भ्रष्ट सरकार है और केंद्र सरकार लोगों को संकट के समय में मदद उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के लोग 'माझा कुटुंब माझा जवाबदेही' का पूरी तरह से पालन रहे हैं। अब समय आ गया है कि मुख्यमंत्री भी 'माझा राज्य माझा जवाबदेही' से अपने कर्तव्य का पालन करें।

श्री गोयल ने कहा कि देश में ऑक्सीजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार सभी संबद्ध पक्षों के साथ पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। औद्योगिक रूप से काम में आने वाली ऑक्सीजन चिकित्सा के लिए उपलब्ध कराई गई है। पूरे देश में ऑक्सीजन संयंत्र से 110 प्रतिशत की क्षमता के साथ उत्पादन कर रहे हैं।

हर प्राइवेट हास्पिटल में चस्पा हुई निर्धारित रेट लिस्ट

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला प्रशासन द्वारा कोविड केयर के लिए कार्य कर रहे सभी निजी अस्पतालों में शासन द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट लगवाई गई है। यह रेट लिस्ट हास्पिटल भवन के प्रवेश द्वार के पास ही लगाए गए हैं ताकि लोगों को इसे देखने में किसी तरह की परेशानी न हों। रेट लिस्ट के साथ ही अस्पताल के नोडल अधिकारी का नाम और मोबाइल नंबर भी दिया गया है ताकि मरीजों के परिजनों को नोडल अधिकारी से संपर्क करने में आसानी रहे। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने इस संबंध में निर्देश अधिकारियों को दिये थे। इसके परिपालन में यह निर्देश चस्पा किये गये हैं। रेट लिस्ट में शासन ने तीन प्रकार के रेट निर्धारित किये हैं। सामान्य बेड के लिए 62 सौ प्रतिदिन के

चार्जेस की व्यवस्था है, इसमें देखभाल, आक्सीजन और पीपीई किट वगैरह शामिल हैं। गंभीर मरीजों के लिए आईसीयू चार्ज 10 हजार रखा गया है। अति गंभीर मरीजों के लिए वेंटीलेटर सहित प्रतिदिन का चार्ज 14 हजार रखा गया है। इस पैकेज में पंजीयन का शुल्क, बेड चार्ज, नर्सिंग बोर्डिंग चार्जेस, एनेस्थेटिक्स, मेडिकल कंसलटेंट फीस, सर्जन शुल्क आदि शामिल हैं। साथ ही इसी पैकेज में दवा, मरीजों का भोजन, पैथालाजी, एक्सरे, सोनोग्राफी, हिमैटोलाजी आदि की सुविधा भी है। सिटी स्कैन, एमआरआई तथा हाई एंड मेडिसीन का अलग से खर्च देना होगा।

रेलवे स्टेशन पहुँचे कलेक्टर

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने रेलवे स्टेशन पहुँचकर यहाँ यात्रियों की हो रही कोरोना जाँच का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि हर यात्री की जाँच सुनिश्चित की जाए और सभी ट्रेनों से आने वालों यात्रियों की जाँच की जाए। उन्होंने कहा कि जाँच में पाजिटिव आने पर आक्सीजन लेवल की जाँच करें। यदि आक्सीजन लेवल निर्धारित प्रोटोकाल से कम दिखे तो हास्पिटल रिफर करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्टेशन में जाँच कार्य में लगे प्रभारी अधिकारियों से कहा कि स्टेशन में जाँच कोरोना संक्रमण के रोकथाम को रोकने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। जिले में अभी लाकडाउन लगा है अभी बाहर से आ रहे लोगों की अच्छी तरह से जाँच होती रहेगी तो कोरोना संक्रमण का प्रसार रोकने में मदद मिलेगी। कलेक्टर चंदूलाल चंद्राकर कोविड केयर हास्पिटल भी पहुँचे। यहाँ उन्होंने मरीजों की स्थिति जानी। अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था की मानिटरिंग की।

शंकराचार्य को मिला बेंगलुरु द्वारा ए ग्रेड

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय को एनएएसी (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) बेंगलुरु द्वारा ए ग्रेड प्रदान किया गया है इसके तहत सीजीपीए रैंक 3.10 महाविद्यालय को प्रदान किया गया है। नेक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों को ग्रेड प्रदान करता है। ज्ञात हो कि गत दिनो महाविद्यालय के समस्त क्रियाकलाप एवं गतिविधियों से संबंधित एनएएसी का निरीक्षण हुआ। जिसमें महाविद्यालय के समस्त विभागों एवं सातों क्राइटेरिया के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय निदेशक एवं प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री शंकराचार्य महाविद्यालय छग का प्रथम प्राइवेट कॉलेज है जिसने यह उपलब्धि हासिल किया है। हेमचंद यादव विवि परिक्षेत्र में भी ऐसा कोई भी निजी महाविद्यालय नहीं है जिसने यह ख्याति प्राप्त किया है।

श्री शंकराचार्य ना केवल जिले में बल्कि पूरे छग में अपनी अलग पहचान बनाई है। हेमचंद यादव विवि द्वारा स्वच्छता रैंकिंग में भी महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था इसके अतिरिक्त पंडित रविशंकर शुक्ला विवि रायपुर द्वारा दो बार प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव महाविद्यालय को प्राप्त है इसके अतिरिक्त एनएसएस में भी महाविद्यालय को उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुआ हैं। महाविद्यालय ना केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी पूरे अंचल में अपना एक विशेष स्थान रखता है। महाविद्यालय के इस उपलब्धि पर श्री गंगाजली शिक्षण समिति के चेयरमैन आईपी मिश्रा, समिति अध्यक्ष जया मिश्रा ने भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए बधाई प्रेषित की।

न्यूज गैलरी

वरिष्ठ पत्रकार गुरपेज खरे हमारे बीच नहीं रहे

भिलाई नगर। इस्पात नगरी के वरिष्ठ पत्रकार श्री गुरपेज खरे का आकस्मिक निधन बीती रात उनके निवास सोनिया गांधी नगर वार्ड-36 खुर्सीपार भिलाई में हो गया, वे 58 वर्ष के थे। स्वर्गीय खरे अपने पीछे धर्मपत्नी,एक सुपुत्र एवं एक सुपुत्री सहित भरा पूरा परिवार को रोते बिलखते छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार आज प्रातः 10:30 बजे छावनी मुक्तिधाम में किया गया। स्वर्गीय खरे के निधन पर पत्रकार बिरादरी ने शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति एवं परिवार को यह दुखद घटना सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

एंटीजन के नतीजे बता रहे दुर्ग जिले में एक हफ्ते में 16 प्रतिशत घटा संक्रमण

दुर्ग। बीते एक हफ्ते में दुर्ग जिले में कोरोना संक्रमण 16 फीसदी घट गया है इसकी जानकारी मिली है एंटीजन टेस्ट के आँकड़ों के विश्लेषण से। 10 अप्रैल को लगभग 2596 लोगों के एंटीजन टेस्ट किये गए, इनमें 1259 पाजिटिव आये। यह कुल आँकड़ों का 48 प्रतिशत थे। 15 अप्रैल यानी गुरुवार को 2723 लोगों की टेस्टिंग एंटीजन के माध्यम से हुई। इनमें 879 पाजिटिव आये। यह कुल आँकड़ों का 32 प्रतिशत है। बीते चार दिनों के आँकड़े देखें तो संक्रमण का दर क्रमशः 36, 33, 30 एवं 32 प्रतिशत रहा है। इस तरह एंटीजन टेस्ट में हुई क्रमशः गिरावट यह साबित करती है कि लाकडाउन जिले में प्रभावी होता दिख रहा है और कोरोना संक्रमण पर इससे रोकथाम लगी है। चूँकि एंटीजन टेस्ट के रिजल्ट मौके पर ही मिल जाते हैं इसलिए इनके नतीजे हर दिन के संक्रमण की स्थिति स्पष्ट रूप से बयान करती है।

लॉकडाउन के नियमों की अवहेलना पर निगम की कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। बढ़ते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन का निगम प्रशासन सख्ती से पालन करवा रही है बावजूद कुछ लोग शासन के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैए कहीं घरों से सामान दिया जा रहा है तो गली मोहल्लों में ठेले से सामान बेचने वालों के पास भीड़ पाया गया। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ निगम प्रशासन को शिकायत मिलने के बाद तत्काल मौके पर मोबाइल टीम पहुंच रही है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माना वसूल रहे है। कई स्थानों पर आधा शटर खोलकर सामान देने वालों को सख्त लहजे में समझाईश दी गई अन्यथा पुलिसिया कार्रवाई की

- 15 लोगों पर 4950 रुपए लगाया गया जुर्माना
- शिकायत मिलने तत्काल पहुंच रही निगम की मोबाइल टीम

जाएगी। निगम के राजस्व विभाग का अमला अलग.अलग टीम बनाकर निगम क्षेत्र का निरंतर सघन निरीक्षण कर रही है। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि लॉकडाउन के नियमों सख्ती से पालन किया जाए ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। लॉकडाउन में सब कुछ बंद होने बाद भी कई लोग थोड़े पैसे की लालच में दुकान खोलने से बाज नहीं आ रहे है।

निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। निगम की मोबाइल टीम निरंतर सघन निरीक्षण कर रही है। आज कई क्षेत्रों में शिकायत मिलने पर मोबाइल टीम पहुंची जहां ठेले में सामान बेचने वालों के पास भीड़ इकट्ठा हो गये थे, कई लोगों ने मास्क भी नहीं लगाया था, जिसे वहां से तत्काल बेदखल करते हुए उनसे जुर्माना वसूला गया। आज ऐसे 15 लोगों से 4950 जुर्माना वसूला गया। निगम की मोबाइल टीम बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं निकलने की अपील कर रहे हैं।

निगम की मोबाइल टीम ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानों पर नियमों की अवहेलना करने वालों से जुर्माना वसूला इसमें प्रहलाद से सौ रूपए, मोहम्मद हसन से 5 सौ, उमेश से 3 सौ, राजेश सोनकर से 2 सौ, पिन्टू साव से 2 सौ, मनीष 2 सौ, रामचन्द्र से 2 सौ, राजकुमार से 5 सौ, सचिन से 3 सौ, मोनू से 5 सौ, उमेश साव से 5 सौ, मो. मोईन से 2 सौ, जगन्नाथ से 1 हजार, प्रहलाद से सौ सहित कुल 15 लोगों से 4950 जुर्माना लिया गया और लॉकडाउन के नियमों का दोबारा उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने हिदायत दी गई।

क्रेडाई ने दिए 7 कंसट्रेटर मशीन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोविड विपदा की इस घड़ी में सामाजिक संस्थाएं एवं उद्योग जगत लोगों की मदद के लिए आगे आ रहा है। इसी क्रम में आज क्रेडाई ने चंदूलाल कोविड केयर हास्पिटल को 7 कंसट्रेटर मशीन प्रदान की। यह मशीन संस्था ने भिलाई निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी को सौंपी। श्री रघुवंशी ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस कठिन परिस्थिति में सामाजिक संगठनों एवं उद्योग जगत द्वारा लोगों के लिए किये जाने वाले कार्यों से सकारात्मक माहौल बनता है और कोविड संक्रमण को रोकने चल रहा कार्य मजबूत होता है। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अरुण वर्मा भी मौजूद थे।

लॉकडाउन में जरूरतमंदों तक पहुंचा रहे हैं फूड पैकेट, निगम कर्मचारी नियुक्त

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। लॉकडाउन में सब कुछ बंद होने से जरूरतमंद व असहाय लोग भूखे न रहे इसलिए उन तक पका हुआ भोजन का पैकेट पहुंचा रहे है। निगम क्षेत्र में रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, श्रमिक बस्ती, सड़क किनारे रहने वाले जरूरतमंदों को फूड पैकेट उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए निगम के सभी पांच जोन में निगम के कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं भूखे, गरीब, असहाय लोगों तक प्रतिदिन भोजन पहुंचा रहे है। इस कार्य में सामाजिक सदभाव के तहत समाज के लोग आगे आ रहे है अग्रवाल समाज द्वारा प्रतिदिन पका हुआ भोजन का पैकेट निगम प्रशासन को वितरण के लिए दिया जा रहा है। निगम क्षेत्र के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक बस्ती तथा मुख्य सड़कों के आसपास भी कई लोग गुजर बसर कर रहते हैं ऐसे लोगों को निगम प्रशासन ने चयनित किया है।

निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने अधिकारियों को निर्देश देकर कहा है कि कोई भी व्यक्ति जो जरूरतमंद है लॉकडाउन के दौरान भूखा न रहे तथा जरूरतमंदों तक राहत सामग्री भोजन पहुंचाया जाए। इस कार्य के नोडल अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में अग्रवाल समाज भिलाई की ओर से भोजन पैकेट रोज प्राप्त हो रहे है। जोन कार्यालयों के क्षेत्रों में चयनित लोग व मांग के अनुरूप पका हुआ भोजन का पैकेट पहुंचाया जा रहा है। जोन 1 में लगभग 150 पका भोजन पैकेट, जोन 2 में 125, जोन 3 में 125, जोन 4 में 150 एवं जोन 5 में 75 पका भोजन का पैकेट पहुंचाने का कार्य आज किया गया। इसके अलावा कई स्थानों से कुछ परिवार जिनके यहां कोरोना मरीज है भोजन नहीं बना पा रहे है ऐसे लोगों के यहां मांग आने पर भी भोजन पैकेट पहुंचाया जा रहा है। फूड पैकेट के प्रतिदिन की आवश्यकता की जानकारी जोन के अधिकारियों से लेते हुए उस आवश्यकता के आधार पर पैकेट की व्यवस्था की जा रही है। लॉकडाउन के दौरान भूखे, असहाय, गरीब, मजदूर, विक्षिप्त, बेसहारा जिनके पास खाने के लिए भोजन नहीं है या वह भोजन बनाने आदि में असहाय हैं ऐसे लोगों तक पका भोजन पहुंचाने का कार्य निगम प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। लाल बहादूर शास्त्री सुपेला अस्पताल में भर्ती मरीजों को राज अग्रवाल केटरिंग की ओर से निःशुल्क भोजन प्रदान हो रहा है। जोन आयुक्त सुनील अग्रहरि ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान मरीज व उनके परिजन को भोजन के लिए परेशानी न हो।

भारतीय जैन संघटना द्वारा स्मार्ट गर्ल्स ट्रेनिंग

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। देश की ख्याति नाम जैन साध्वी एवं चरम मंगल संस्थान की प्रेरिका प्राग्भा विराट ने 18 वर्ष से 25 वर्ष की युवतियों के लिए ऑनलाइन वेबीनार प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वक्ता शामिल हुई। उन्होंने कहा पूरे भारतवर्ष में भारतीय जैन संघटना अलग.अलग विषयों पर समाज के लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। छत्तीसगढ़ के कार्यों की तारीफ करते हुवे अपने अल्प प्रेरक उद्बोधन में बहुत सी सारगर्भित बातें बच्चों एवं बच्चों के पालकों से कहीं उन्होंने कहा एक लंबे अंतराल के पश्चात छग के युवक.युवतियों से जुड़ना उनके लिए यह आनंद का क्षण है। सहज सरल और सारगर्भित उद्बोधन के द्वारा में गागर में सागर के सूक्तियां को चरितार्थ करते हुए बहुत सी बातें उन्होंने अल्प समय में कहीं उन्होंने युवतियों से आने वाले हर बदलाव जिसमें रहन.सहन व्यवहार और जीवन के व्यवहारिक सिद्धांतों को अमल में लाते हुए अपने इस जीवन को जीते हुए लड़कियों को अपनी एक अलग पहचान स्थापित करना चाहिए। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाली युवतियों ने साधिका डॉ प्राग्भा विराट से प्रेरक मार्गदर्शन के प्रति आभार भी जताया। इस वेबीनार में प्रशिक्षक लहर लुक्कड छोटी.छोटी व्यवहारिक बातों को जीवन में कैसे आत्मसात करें क्रमशः हिस्सा लेने वाले प्रतियोगियों को कहीं उनके द्वारा दी गई ट्रेनिंग से बच्चों ने कहा आज हमें इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बहुत कुछ सीखने सीखने को मिला है जो हमारी इस जीवन यात्रा में हमारे लिए सकारात्मक परिणाम लाएगा। जैन संघटना के इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में नई दिल्ली से सुश्री सृष्टि बाफना ने भी बहुत ही रोचक ज्ञानवर्धक और बच्चों को उत्साहित करने वाली अपनी प्रेरणादाई बातें ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा ले रही हो जो के मध्य रखी थी। ट्रेनिंग प्रोग्राम मैं लड़कियों ने भी संबोधन किया।

लॉकडाउन में 28 पेटी अवैध शराब बेचते दो आरोपी पकड़ाए

भिलाई। आपदा को अवसर बना लॉकडाउन मे अवैध गोवा शराब बेचने के फ़िराक मे लगे 2 आरोपियों को 28 पेटी शराब के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार जामुलःशनिवार 17 अप्रैल 2021 की सुबह जामुल पुलिस ने लॉकडाउन में अवैध रूप से गोवा राज्य निर्मित गोवा शराब का जखीरे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना मिलने पर पुलिस ने की घेराबंदी शनिवार की सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि एसीसी चौक की ओर एवं 32 एकड़ साई मंदिर की ओर अवैध रूप से शराब ले जाया जा रहा है कि सूचना पर एसीसी चौक के पास घेराबंदी कर टाटा सफारी क्रमांक CG 07 NA 3500 को रोककर तलाशी ली गई। आरोपी राहुल राजभर पिता रामसूरत राजभर उम्र 24 साल निवासी सिम्प्लेक्स कास्टिंग एसीसी चौक, जामुल के द्वारा टाटा सफारी में 13 पेटी 624 पौवा 112.3 बल्क लीटर कीमती 74880/- रुपए को अवैध रूप से परिवहन करते पकड़ा गया एवं 32 एकड़ साई मंदिर के पास घेराबंदी कर स्विफ्ट कार CG 10 K 3300 को दौड़ाकर पकड़ा गया की किंतु मुख्य आरोपी विशाल त्यागी मौका पाकर फरार हो गया एवं आरोपी गगनदीप सिंह निवासी सुंदर विहार कॉलोनी जामुल पकड़ा गया। जिसके कार स्विफ्ट में 15 पेटी गोवा 720 ओवर 129.3 बल्क लीटर कीमत 86400/- रुपए का अवैध रूप से परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 152, 153/2021 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों को दिनांक 17/04/21 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर दुर्ग न्यायालय भेजा गया तथा प्रकरण के मुख्य फरार आरोपी कि तलाश जा रही है।

सीखें हौसला... शंकराचार्य हास्पिटल से जब समारू को विदा किया तो यहाँ की मेडिकल प्रभारी डॉ. सावंत हुए खुश...

चौदह दिन बात जीत ली कोविड की जंग, आक्सीजन लेवल था 80

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में कल 3672 मरीज कोरोना से रिकवर हो गए। यह बहुत बड़ी संख्या है जो उम्मीद जगाती है कि कोरोना से मुकाबला किया जा सकता है। इनमें से कुछ मरीजों की कहानी बड़ी विलक्षण रही होगी जिन्होंने अस्पताल प्रबंधन की मेहनत और अपने हौसले से कोविड की जंग जीत ली। दुर्ग का रहने वाला समारू इनमें से ही एक है। 45 वर्ष का समारू जब शंकराचार्य हास्पिटल में लाया गया तब उसकी स्थिति काफी खराब थी आक्सीजन लेवल 80 तक चला गया था। दिक्कत यह थी कि समारू

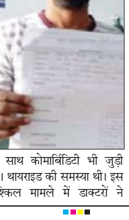

के साथ कोमार्बिडिटी भी जुड़ी थी। थायराइड की समस्या थी। इस मुश्किल मामले में डाक्टरों ने कड़ी मेहनत की और आज समारू डिस्चार्ज हो गया। शंकराचार्य कोविड हास्पिटल की मेडिकल प्रभारी डॉ. सुगम सावंत ने बताया कि आज समारू 14 दिन बाद स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुआ है। उसे देखकर बहुत अच्छा लगाए कोरोना में चिकित्सकीय परामर्श के साथ मन भी मजबूत रखें। बड़ी संख्या में लोग रिकवर हो रहे हैं। समारू ही नहीं, शंकराचार्य हास्पिटल में ऐसे कई मामले आए हैं जिसमें अधिक आयु और कोमार्बिडिटी भी बाधा नहीं रही। इस अप्रैल के पहले दिन एक ऐसे पेशेंट को डिस्चार्ज किया गया जिनकी आयु 91 साल की थी इन्हें डायबिटीज और बीपी दोनों की समस्या थी। समारू की रिकवरी काफी पहले हो गई होती यदि समारू ने समय पर दवा ले ली होती। बहुत से लोग अब भी सैंपल देने में देर कर रहे हैं। इसके कारण दवा लेने में विलंब हो जाता है जिसकी वजह से समस्या बढ़ जाती है। कभी. कभी कुछ लोग सैंपल देते वक्त गलत नंबर ट्रेसिंग टीम को दे देते हैं जिसकी वजह से उन्हें ट्रेस करने में दिक्कत होती है और ऐसे लोग दवा नहीं लेने की वजह से गंभीर संकट का शिकार हो जाते हैं। सैंपल के साथ ही होम आइसोलेशन कंट्रोल रूम से काउंसिलिंग के लिए आने वाले फोन पर दिये गये सुझावों का जरूर पालन करें। दवाएं समय पर खाएं। आक्सीमीटर से आक्सीजन लेवल की जाँच कराएं 93 से लेवल कम आये तो अपने होम आइसोलेशन काउंसलर को बताएं ताकि हास्पिटल में भर्ती किये जाने संबंधी कार्रवाई की जा सके। कोविड पीड़ित मरीज यदि समय पर जाँच करा लेते हैं दवा शुरू कर देते हैं होम आइसोलेशन कंट्रोल रूम द्वारा बताये गए सुझावों का पालन करते हैं और सकारात्मक सोच के साथ दिन बिताते हैं तो वे इस बीमारी को बहुत आसानी से पराजित कर सकते हैं। दुर्ग जिले से आ रही इतनी सारी रिकवरी की खबरें इस संबंध में आश्वस्त करती हैं।

वोरा ने की स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा

जीवनरक्षक रेमडीसीवर जरूरत के मुकाबले 10 प्रतिशत भी नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शहर में कोरोना के रोज बढ़ते मामलों के साथ ही गंभीर मरीजों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। प्रशासन के लाख प्रयासों के बाद भी जनता को अपने परिजनों की जान बचाने के लिए जीवन रक्षक रेमडीसीवर इंजेक्शन के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। घूम फिर कर पीड़ित परिवार के परिजन जनप्रतिनिधियों के पास पहुंच कर दवा दिलवाने की गुहार लगा रहे हैं किंतु पूरे देश मे विकराल रूप लिए कोरोना संकट के कारण दवाईए वैक्सीन एवं वेन्टीलेटर्स की कमी हर जगह सामने आ रही है।

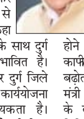

जिले में इंजेक्शन के लिए मारामारी की स्थिति से अवगत कराने विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव से बात कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि प्रदेश में रायपुर के साथ दुर्ग जिला सर्वाधिक प्रभावित है। राजधानी की तर्ज पर दुर्ग जिले के लिए भी विशेष कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। जीवनरक्षक दवा रेमडीसीवर जरूरत के मुकाबले 10ः भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है जिससे आम जनता असहाय महसूस कर रही है। इस स्थिति को यथाशीघ्र बदलने के लिए ठोस कदम उठाया जाना आवश्यक है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 12 तारीख को इस आशय का टेंडर जारी किया गया है जिसके खुलते ही प्रदेश को हर सप्ताह 30 हजार रेमडीसीवर की सप्लाई सुनिश्चित होने की संभावना है जिससे काफी हद तक रिकवरी रेट में बढ़ोतरी होगी। वोरा ने स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि आपदा के दौर में टेंडर प्रक्रिया को शिथिल कर भी तत्काल खरीदी की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए। जिसपर स्वास्थ्य मंत्री ने परीक्षण करवाने आश्वस्त किया।

17_Nav pradesh Page_03.qxd 17/04/2021 7:47 PM Page 1

■ न्यूज गैलरी

राईस मिल के पास मिला नरकंकाल मची सनसनी

रायपुर। राजधानी के समता कॉलोनी इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब निजी राइस मिल में नर कंकाल मिला. इसकी खबर फैलते ही लोग सकते में आ गए. देखते ही देखते इसकी सूचना पुलिस तक भी पहुंची जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है. मिली जानकारी के मुताबिक मामला आजाद चौक थाना इलाके का है. नूतन राइस मिल में यह नरकंकाल मिला है. लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पार्षद को दी, जिसके बाद पार्षद ने पुलिस को इसकी जानकारी पहुंचाई. जानकारी मिलने के बाद पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची. शव कई टुकड़ों में बंटे हुए थे. पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह 60 से 65 साल के बुजुर्ग का नर कंकाल लग रहा है जो करीब 10 से 15 दिन ही पुराना है. लाश को कुत्तों ने नोच नोच कर खाया है जिसके चलते इसते टुकड़े कई जगहों पर पड़े हुए हैं. पुलिस के लिए शव को पहचानना बेहद मुश्किल है इसलिए पुलिस थाने में हुई लापता की शिकायतों की पड़ताल करने में जुट गई है।

रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते दो पकड़ाए

रायपुर। प्रदेश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाज़ारी करने का जाता मामला सामने आया है। रायपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार राजधानी पुलिस ने सूर्यकांत यादव निवासी बलोदाबाज़ार और रोहनीपुरम निवासी विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस को दोनों के खिलाफ जानकारी मिली थी। वहीं दोनों के ठिकानों पर दबिश देकर पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही ?है। संभावना जताई जा रही है कि इस कालाबाजारी में कुछ और लोग शामिल हो सकते हैं।

मेडिकल का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने 55 हजार रूपये किये पार

रायपुर। आमानाका इलाके के टाटीबंध में मेडिकल दुकान कर्मी के घर में चोरों ने धावा बोलकर नकदी 55 हजार रुपये पार कर दिया। सूने मकान का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। रात में घर में कोई नहीं था, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। पुलिस के मुताबिक अमरजीत सिंह सलूजा रामसागरपारा स्थित दवा दुकान में काम करता है। गुरुवार को उसने कोरोना टीका लगवाया था,जिसके कारण हाथ-पैर में दर्द होने पर बडे भाई सतिन्द्र पाल सिंह सलूजा ने अपने घर में ही सोने कहा। रात करीब नौ बजे घर में ताला लगाकर वह भाई के घर जाकर सो गया था। शुक्रवार सुबह पौने छह बजे घर गया तो दरवाजे का ताला टूटा था। भीतर जाने पर सामान बिखरा हुआ था। एक कमरे में प्लास्टिक के डिब्बे में रखा नकदी करीब 55 हजार रुपये गायब थे। विधानसभा इलाके के बीएसयूपी कालोनी खालबाड़ा में खड़ी वाहन में अज्ञात लोगों ने आग लगा दिया। इस आग में वाहन जलकर खाक हो गई।

लॉकडाउन के दौरान सब्जी बेचते पाए जाने पर वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान नियमों का अवहेलना कर टाटा एस वाहन में भरकर सब्जी भरकर बेचते पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 269,188 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार उरला थाना पुलिस ने लॉकडाउन के द्वौरान नियमों को अनदेखी कर 16 अप्रैल को टाटा एस वाहन क्रमांक सीजी 04 एमवी 2915 के चालक पवन साहू 24 वर्ष पिता फिरंता साहू वाहन में सब्जी भरकर कैलाश नगर बीरगांव में बेचते पाए जाने पर उसके खिलाफ अपराध कायम कर मामला दर्ज किया है।

पूर्व विवाद के चलते युवक के साथ मारपीट 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर। पूर्व विवाद के चलते गाली-गलौचकर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने की रिपोर्ट पर खम्हारडीह पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ अपराध कायम कर मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार सतनाम चौक खम्हारडीह निवासी महेन्द्र गायकवार्ड 20 वर्ष पिता बिसाहुराम ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 16 अप्रैल को रात 8.30 बजे व्हीआईपी स्टेट सतबहनिया पेड के पास सुंदरम एवं उसके तीन साथियों ने प्रार्थी को पूर्व विवाद के चलते गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर डंडे से मारपीट किया। जिसके चलते उसे चोट लगी। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294,323,506,34 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया हैं।

नाबालिग लड़की लापता गुमशुदगी का मामला दर्ज

रायपुर। नाबालिग लड़की के लापता हो जाने की रिपोर्ट खम्हारडीह थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह निवासी पीड़ित 35 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 15 अप्रैल को शाम 6 बजे प्रार्थी की नाबालिग बेटी 16 वर्ष घर से बिना बताए कही चली गई है। पीड़ित ने आशंका जतायी है कि किसी ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 363 के तहत अपराध कायम कर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

राज्य सरकार ने केन्द्र से 285 वेन्टिलेटर उपलब्ध कराने की मांग की

रायपुर। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के मद्देनजर केन्द्र सरकार से 285 वेन्टिलेटर जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। राज्य की अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्रीमती रेणु जी पिल्ले द्वारा 12 अप्रैल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केन्द्र सरकार के सचिव को पत्र भेजा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ को भारत सरकार से पिछले वर्ष 230 वेन्टिलेटर प्राप्त हुए थे। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में ऑक्सीजनयुक्त बेड और आईसीयू की सुविधावृद्धि के लिए समुचित उपाय किए जा रहे है।

अम्बेडकर अस्पताल के विशेषीकृत कोविड वार्ड से 534 मरीज ठीक होकर घर लौटे

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस संक्रमण की लगातार फैल रही दहशत एवं आशंकाओं के बीच राजधानीवासियों के लिए राहत भरी खबर यह है कि सही समय पर इलाज मिल जाने से कोरोना संक्रमित मरीज अस्पताल से ठीक होकर घर भी जा रहे हैं।

अम्बेडकर अस्पताल में कोरोना के क्रिटिकल केयर प्रभारी डॉ. ओ. पी. सुंदरानी के मुताबिक अस्पताल में 1 अप्रैल 2021 से 15 अप्रैल 2021 तक कुल 534 मरीज डिस्चार्ज होकर जा चुके हैं। वर्तमान में अस्पताल में लगभग 500 मरीज भर्ती हैं उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल में नये मरीजों का भर्ती होना, उपचार के बाद मरीजों का ठीक होकर डिस्चार्ज होना, फिर नये मरीजों का भर्ती होना यह क्रम लगातार चलता रहता है परंतु इन सबके बीच मरीजों के डिस्चार्ज होने से परिवार वाले भी खुश हो जाते हैं और इससे सभी लोगों के बीच सकारात्मकता का माहौल बन रहा है।

डॉ. सुंदरानी के मुताबिक कोरोना के विरूद्ध जारी संघर्ष में सकारात्मकता और एहतियात ही विजय का मूलमंत्र है। अभी लॉकडाउन चल रहा है ऐसे में हमें घर बैठकर ही इस लड़ाई को जीतना है। हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पुलिस और सफाई से जुड़े लोग दुगुने मेहनत के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। आप भी एक जिम्मेदार नागरिक की तरह लॉकडाउन का पालन कर अपनी जिम्मेदारी निभाईये और जो बीमार हैं उनका समय पर उपचार करवाईये। सोशल मीडिया में डराने वाले संदेशों को बिना सोचे-समझे दूसरों को फारवर्ड न करें। कोई भी संदेश जिसके बारे में आप ज्यादा नहीं जानते उन्हें वायरल करने से बचें। ये ऐसे प्रयास हैं जिन्हें आप कर सकते हैं और इस महामारी से उबरने में लोगों की मदद कर सकते हैं।

रिपोर्ट आने के बाद तुरंत भर्ती हुआ

राजिम रोड हसदा नं. 2 निवासी 53 वर्षीय झम्मन साहू बताते हैं कि मेरी कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद बिना देर करते हुए घरवालों ने मुझे अम्बेडकर में भर्ती कराया। 5 अप्रैल को अम्बेडकर के आईसीयू में भर्ती हुआ और 15 अप्रैल को ठीक होकर डिस्चार्ज भी हो गया। आज मैं अपने घर में पोस्ट कोविड पीरियड में हूं और डॉक्टरों द्वारा बताये गये दिशानिर्देशों का पालन भी कर रहा हूं। अम्बेडकर में हुए इलाज के बाद काफी राहत महसूस कर रहा हूं। झम्मन साहू की तरह कई लोगों की कहानियां है जिन्होंने कोरोना को मात दी हैं।

रायपुर जिले के सभी 417 ग्राम पंचायतों में क्वॉरेंटाइन सेंटरों की व्यवस्था की गई

■ बाहर से आने वाले श्रमिकों तथा नागरिकों के रुकने, ठहरने और आश्रय आदि की व्यवस्था की जा सकेगी

रायपुर। रायपुर जिले के चार विकासखंडों के सभी 417 ग्राम पंचायतों में क्वॉरेंटाइन सेंटरों की व्यवस्था कर ली गई है। इन कोरेनटाइन सेंटरों में बाहर से आने वाले श्रमिकों तथा नागरिकों के रुकने, ठहरने और आश्रय आदि की व्यवस्था है। यहां उनके लिए पेयजल, सूखा राशन, भवन में बिजली, सुरक्षा, शौचालय आदि की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर रायपुर डॉ एस भारतीदासन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ गौरव कुमार सिंह ने गत दिवस वर्चुअल बैठक लेकर सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी ग्राम पंचायतों में क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाने के निर्देश दिए थे। अभनपुर जनपद के अंतर्गत 99 ग्राम पंचायतों, तिल्दा जनपद के अंतर्गत 101 ग्राम पंचायतों, आरंग के अंतर्गत 144 और धरसीवा के अंतर्गत 79 कोरेनटाइन सेंटर बनाएं गए हैं। इसी तरह जिले की नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भी कोरेनटाइन सेंटर बनाए जा रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि के 5 वें दिन भक्त कर रहे स्कंद माता की आराधना

रायपुर। आज पांचवां दिन है। नवरात्रि के पांचवें दिन मां दुर्गा के माता स्कंदमाता के स्वरूप की उपासना की जाती है। माता स्कंदमाता अत्यंत दयालू हैं। कहते हैं कि देवी दुर्गा का यह स्वरूप मातृत्व को भी परिभाषित करता है। इनकी चार भुजाएं हैं। इनकी दाहिने तरफ की ऊपर वाली भुजा में भगवान स्कंद गोद में हैं। दाहिने तरफ नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा वर मुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में भी कमल है। स्कंदमाता का वाहन शेर है। स्कंदमाता कमल आसन पर भी विराजमान होती हैं, इसीलिए माता स्कंदमाता को पद्मासना देवी के नाम से भी जाना जाता है। देवी स्कंदमाता को भोग में केले का फल और खीर अवश्य चढ़ाएं।

माता स्कंदमाता की पूजा विधि नवरात्रि में आज के दिन सबसे पहले चौकी पर सफेद या लाल वस्त्र पर मां स्कंदमाता की स्थापना करें। इसके साथ कलश और अखंड ज्योत की पूजा करें। साथ ही नवग्रहों की भी पूजा करें। इसके साथ चंदन, रोली, हल्दी, सिंदूर, दूर्वा और सुहाग की सामग्री अर्पित करें। साथ ही फूलों की माला, धूप, दीप, नैवेद्य और पान-सुपारी जरूर अर्पित करें। पूजा करते समय दुर्गा शप्तशती का पाठ भी करें।

माता स्कंदमाता का बीज मंत्र

ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।

स्कंदमाता का पूजा मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

व्रत कथा

प्राचीन कथा के अनुसार ताड़कासुर नाम का एक राक्षस था। ब्रम्हा जी को प्रसन्न करने के लिए वह घोर तपस्या कर रहा था। उसके कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रम्हा जी उसके सामने आए और उन्होंने ताड़कासुर से वरदान मांगने के लिए कहा। तब ताड़कासुर ने अमर हो जाने का वरदान मांग लिया। ब्रम्हा जी ने ताड़कासुर को समझाया जिसने भी जन्म लिया है उसे एक दिन मरना ही है। इससे ताड़कासुर निराश होकर ब्रम्हा जी से कहा मुझे ऐसा वर दें कि भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही उसकी मृत्यु हो।

ताड़कासुर का ऐसा मानता था कि भगवान शिव कभी भी विवाह नहीं करेंगे। इसीलिए उसकी कभी भी मृत्यु नहीं होगी। जब उसे यह आशीर्वाद मिल गया तब उसने लोगों पर हिंसा करना प्रारम्भ कर दिया। ताड़कासुर के अत्याचार से परेशान होकर सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और ताड़कासुर से मुक्ति दिलाने प्रार्थना करने लगे। देवताओं की प्रार्थना सुनने के बाद भगवान शिव ने मां पार्वती से विवाह किया और कार्तिकेय के पिता बने। बाद में कार्तिकेय ने ताड़कासुर का वध किया।

शास्त्रों के अनुसार इनकी कृपा से अज्ञानी भी ज्ञानी हो जाता है। पहाड़ों पर रह कर सांसारिक जीवन में नवचेतना का निर्माण करने वाली देवी हैं। मां स्कंदमाता स्कंदकुमार कार्तिकेय की माता होने के कारण भक्त इन्हें स्कंदमाता के नाम से पुकारते है। कहा जाता है कि मां स्कंदमाता की पूजा करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण हो जाती है। कहा जाता है जो लोग निःसंतान हैं मां स्कंदमाता कि उपासना करते हैं तो उन्हें संतान प्राप्ति का भी योग मिल जाता है।

नेशनल डिफेंस एकाडमी एवं नेवल एकाडमी की परीक्षा आज

■ परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र एवं उसका पहचान पत्र आवागमन हेतु पास माना जाएगा

■ परीक्षा हेतु बनाए गए हैं रायपुर में 8 केंद्र

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल डिफेन्स एकाडमी एण्ड नेवल एकाडमी परीक्षा (1) 2021 परीक्षा आगामी 18 अप्रैल को दो पालियों में संपन्न होगी। परीक्षार्थियों के लिए उनका प्रवेश पत्र एवं उनका पहचान पत्र ही आवगमन हेतु पास माना जायेगा।

प्रथम पाली प्रातः 10.00 बजे से 12.30 बजे एवं द्वितीय पाली दोपहर 200 बजे से 4.30 बजे तक संचालित की जायेगी। कलेक्टर डॉ एस भारतीदासन ने परीक्षा के सुचारू संचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियो को जिम्मेदारी सौंपी है। परीक्षा हेतु 8 केंद्र बनाए गए हैं जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विधानसभा रोड ओवरब्रिज के पास मोवा रायपुर, सरस्वती नगर निगम उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला बिजली ऑफिस के बाजू फूल चौक नयापारा रायपुर, शिशु निकेतन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल डबल्यू आर.एस कालोनी, रायपुर , शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपुरेना रिंग रोड न. 1, रायपुर, शासकीय हाई स्कूल लालपुर (एम एम आई हास्पिटल के पास.) रायपुर, डॉश श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डबल्यू आर.एस. कालोनी रायपुर, कृति इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग नालेज विलेज ज्ञान गंगा स्कूल के पास विधान सभा रोड ग्राम नरदहा रायपुर,एवं श्री वामन राव लाखे उच्चतर माध्यामिक विद्यालय गांधी चौक रायपुर शामिल है।

रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर घबराहट न करें कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार ही उपयोग

■ रेमडेसिविर के प्रभाव के सम्बंध में कोई प्रमाण नही : विशेषज्ञ

रायपुर। डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के क्रिटिकल केयर विषेषज्ञ डॉ ओ पी सुंदरानी ने कहा कि हर कोविड पॉज़िटिव मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यकता नही होती है । इस से केवल मॉडरेटली सीवियर और सीवीयर कोविड मरीजों को लाभ हो सकता है-पर यह भी दावे से नही कह सकते कि रेमडेसिविर लगाने से मरीज ठीक ही हो जाएगा या नही लगेगा तो ठीक नही होगा । ऐसा किसी रिसर्च में प्रमाणित नही हुआ है। बिना रेमडेसिविर के भी बहुत मरीज़ ठीक होते हैं और रेमडेसिविर लगा कर भी कई मरीज ठीक नही हो पाते हैं। इसलिए इस इंजेक्शन को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नही है। इस दवाई से कुछ मरीजों में रिकवरी तेज हो जाती है यह पता चला है- पर ऐसा कुछ ही मरीज़ों में हुआ है। उन्होने कहा कि मरीज़ अपनी मर्जी से यह इंजेक्शन न लगाएं,यह चिकित्सक के ऊपर छोड़ दें, जो उन्हे बेहतर इलाज लगेगा वे करेंगे।डॉ प्रणीत फ्टाले -सब रिजनल टीम लीडर विश्व स्वास्थ्य संगठन -एन पी एस पी का कहना है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन का उपयोग कोविड 19 के मरीजों पर कितना प्रभावी होता है और किन मरीजों पर इसका असर सकारात्मक होता है , इसका कोई प्रमाण नही मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कराए गए परीक्षण में यह पाया गया कि इस इंजेक्शन के उपयोग से मरीजों की मृत्यु दर,मेकेनिकल वेंटीलेशन ,क्लिनिकल सुधार, अस्पताल में रूकने की अवधि आदि पर भी कोई महत्वपूर्ण परिणाम नही दिखा है।

जैन धर्म का जियो और जीने दो का संदेश पूरे विश्व को राह दिखाने वाला : सुश्री उइके

■ आचार्य अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा मनाया जाने वाले सेवा सद्भावना वर्ष की सराहना

■ राज्यपाल ने आचार्य लोकेश मुनि को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज महावीर जयंती के अवसर पर 17 से 25 अप्रैल तक आयोजित अष्ट दिवसीय समारोह तथा जैन मुनि आचार्य डॉ.लोकेशजी के जन्मदिवस पर आयोजित समारोह में वर्चुवल रूप से शामिल हुई। उन्होंने इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी का नमन किया और जैन मुनि आचार्य लोकेश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के दर्शन और उपदेश का सार्वभौमिक और प्रासांगिक है। जैन धर्म का जियो और जीने दो का संदेश आज भी पूरे विश्व को राह दिखाने वाला है। जैन धर्म में पांच महाव्रत है। इन व्रतों का पालन कर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को सफल बना सकता है। कोरोना संक्रमण के भयावह संकट से गुजर रहे हैं। भगवान महावीर स्वामी तप एवं अनुशासन और संयम पर बल देते थे। जैन मुनियों तथा समस्त संतों के जीवन आदर्शों का पालन करें तो प्रकृति के अनुकुल रहेंगे और सदैव निरोगी रहेंगे और संक्रामक बीमारियों से भी रक्षा होगी।

राज्यपाल ने कहा कि आचार्य लोकेश जी की धर्म को समाज सेवा से जोड़ा, उसे सामाजिक बुराइयों को मिटाने का माध्यम बनाया। उनके नेतृत्व में अहिंसा विश्व भारती संस्था द्वारा कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ, नशें के खिलाफ जो अभियान चला रही है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है।

सुश्री उइके ने कहा कि सेवा सद्भावना का शुभारंभ ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व में चारों ओर अशांति का वातावरण है। मेरा मानना है कि अशांत विश्व को अगर कोई शांति का सन्देश दे सकता है, इस दुनिया को हिंसा व आतंकवाद से निजात दिला सकता है, तो वह भगवान महावीर का अहिंसा व अनेकांत का दर्शन है और आचार्य डॉ लोकेश जी उस दर्शन को लेकर पिछले 38 वर्षो से विश्व भर में निरंतर प्रयासरत है।

कोविड से जंग में एनएमडीसी ने किये प्रशासन के हाथ मजबूतः एसडीओ

कोविड प्रताड़ित मरीजों को राहत देंगे ऑक्सीजन के 150 बड़े सिलेंडर

रायपुर/नगरनार। कोविड-19 महामारी से जंग जीतने के लिये आक्सीजन सिलेंडर का महत्व ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी के नगरनार स्टील संयंत्र ने कल जिला प्रशासन की आवश्यकता के जवाब में ऑक्सीजन के 150 बड़े सिलेंडर बस्तर प्रशासन को उपलब्ध कराये। नगरनार इस्पात संयंत्र के इंचार्ज एवं कार्यकारी निदेशक प्रशांत दास ने कहा एनएमडीसी हमेशा बस्तर के सुख समृद्धि के लिये प्रयास करता रहा है। मुझे खुशी है की इस कठिन समय में एनएमडीसी के तरफ से एक और कदम उठा है जिस से बस्तर प्रशासन को इस महामारी को मात देने में मदद मिलेगी।

इस संदर्भ में कल सुबह राज्य शासन की एक टीम ने नगरनार स्टील संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट जाकर सिलेंडरों का निरीक्षण किया। जीआर मरकाम, डिप्टी कलेक्टर और एसडीओ, राजस्व, जगदलपुर, सुश्री गीता रायस्त, डिप्टी कलेक्टर और एसडीओ राजस्व, तोकापाल और डॉ सी मैत्री, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने प्रशांत दास से चर्चा कर सिलेंडर्स को जांच की। टीम ने सिलेंडरों को अपने उपयोग के लिए स्वीकार्य पाया। फलस्वरूप, नगरनार इस्पात संयंत्र ने बिना विलंब किये कल शाम ही 150 ऑक्सीजन के बड़े सिलेंडरों को प्रशासन के सुपुर्द किया।

श्री मरकाम ने इस सहायता की सराहना करते हुए इसे एनएमडीसी की तरफ से शासन के हाथ मजबूत करने वाला कदम बताया। श्री मरकाम ने मौजूदा स्थिति पर रोशनी डालते हुए बताया, कई मरीज मेडिकल सहायता के लिये बड़े शहरों से और बस्तर के आसपास से जगदलपुर आ रहे हैं। ऐसे में ऑक्सीजन का परिवहन करने के लिये सिलेंडर की दरकार है। इतनी मात्रा में सिलेंडर की आपूर्ति पूरी करना एक बड़ा सवाल था। ऐसे में एनएमडीसी ने जो 150 सिलेंडर दिए हैं यह बहुत काम आऐंगे क्योंकि इनकी प्रत्येक की क्षमता 46.7 लीटर होने से यह साधारण इस्तेमाल आनेवाले 450 सिलेंडरों के बराबर है।

ज्ञात हो कि निर्माणाधीन नगरनार इस्पात संयंत्र एक एकीकृत इस्पात संयत्र के रूप में आकार ले रहा है जिसमें ऑक्सीजन प्लांट का होना अनिवार्य है। हालाकि ऑक्सीजन प्लांट अभी कार्यरत नहीं है लेकिन अपनी भविष्य की जरूरत के लिए संयंत्र ने सिलेंडर प्राप्त किये थे। यही सिलेंडरो का भंडार शासन के सुपुर्द कर प्रशांतदास ने कोरोना से जंग में प्रशासन को ठोस समर्थन देने के लिए एनएमडीसी के संकल्प को फिर एक बार वास्तविक रूप दिया।

प्राणायाम कोरोना महामारी से लड़ने में करेगा आपकी मदद

नई दिल्ली: कोरोना महामारी ने सभी को डरा कर रखा हुआ है, लेकिन मास्क लगाकर और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर इससे बचा जा सकता है. साथ ही अगर आप ये प्राणायाम करेंगे आपका इम्यून सिस्टम बहतर होगा. बताया जाता है कि कोरोना वायरस सांस के जरिए इंसान के फेंफड़ों को प्रभावित करता है. इसलिए अगर आप मुंह और गले का ख्याल रखेंगे तो इससे लड़ा जा सकता है. और इसके लिए सबसे कारगर प्राणायाम है कपालभाति...

एक्सपर्ट्स का कहना है कि कपालभाति क्रिया अगर विपरित करणी मुद्रा में की जाए तो लंग्स, गले और नाक को आसानी से साफकर सकती है. इस आसन से ब्लड फ्लो डायरेक्ट ब्रेन तक जाता है और मस्तिष्क और फेफड़ों का शुद्धि होती है. इसके अलावा ये आसन आंखों और पेट के लिए भी अच्छा होता है. इससे फेफड़े मजबूत होते हैं.

किन्हें नहीं करना चाहिए ये आसन?

हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट के मरीजों को एक्सपर्ट्स की सलाह के बाद ही यह प्राणायाम करना चाहिए. इसके अलावा, कमर दर्द, स्लिप डिस्क और सर्वाइकल के मरीज यह आसन न करें.

कैसे करें कपालभाति?

सबसे पहले आराम से बैठ जाएं
अपनी कमर सीधी रखें और आंख बंद करें
अपनी हथेलियां घुटनों पर रखें
सांस को पूरी तरह बाहर छोड़ दें
अब नाक से सांस अंदर लें और तेजी से छोड़ दें.
अब नाभि को अपनी स्पाइन की ओर खींचें और पेट की पूरी ताकत लगाकर फेफड़ों से हवा बाहर निकाल दें.
एक राउंड में 20 बार ऐसा करें.
अपनी आंखों को बंद रखिए और शरीर में होने वाली हर प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करिए.
इसके बाद, अगर आप चाहें तो, कपालभाति के 2 और राउंड कर सकते हैं।

पीपल के पत्तों का रस है सेहत के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली: पीपल का पेड़ धार्मिक रूप से कितना महत्वपूर्ण है ये तो आप जानते ही होंगे. ऐसी मान्यता है कि पीपल के पेड़ में त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों का वास होता है. इसलिए पीपल के पेड़ की पूजा भी की जाती है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि नीम के पेड़ की ही तरह पीपल के पेड़ की भी पत्तियां, फल, जड़ और छाल- सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद माने जाते हैं.

पीपल की पत्तियां सेहत के लिए भी हैं फायदेमंद

आयुर्वेदिक ग्रंथों में पीपल के पेड़ और इसकी पत्तियों के अनेक गुणों के बारे में बताया गया है. आयुर्वेद की मानें तो वात, पित्त और कफ इन तीन दोषों की वजह से होने वाली कई तरह की बीमारियों को दूर करने में मदद कर सकता है पीपल. इसके अलावा खून साफकरने और पेट साफकरने में भी मददगार है पीपल की पत्तियां.

1. अस्थमा- एक वैज्ञानिक अध्ययन की मानें तो पीपल के पत्ते के अर्क में ऐसे कई गुण होते हैं जो अस्थमा की बीमारी पर प्रभावी असर दिखा सकते हैं. अस्थमा के इलाज के लिए पीपल के पत्ते का रस और इसके फल का चूर्ण बनाकर लेने की सलाह दी जाती है.

2. पाचन की समस्या- कब्ज, एसिडिटी और पाचन से जुड़ी अन्य दिक्कतें जो वात और पित्त दोष की वजह से होती हैं उन्हें दूर करने में मदद करता है पीपल के पत्ते का जूस. रात में सोने से पहले पीपल के पत्ते का रस पानी में मिलाकर पीने से सुबह पेट साफहो जाता है.

3. खांसी-जुकाम होने पर- कई बार मौसम में अचानक हुए बदलाव की वजह से बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को सर्दी-खांसी जुकाम की समस्या हो जाती है. इसके लिए पीपल के पत्तों को पानी में उबालकर उसे सुबह-शाम पीने से आराम मिल सकता है.

4. हार्ट हेल्थ के लिए- इन दिनों हार्ट से जुड़ी बीमारियां भी बहुत सारे लोगों को हो रही हैं. इससे बचने के लिए पीपल की 10-15 पत्तियों को 1 गिलास पानी में अच्छी तरह से उबालें. फिर इस पानी को छानकर दिन में 2-3 बार पीएं. इससे हार्ट को हेल्दी रखने में मदद मिलेगी.

5. दाद या खुजली- पीपल के पत्तों का रस खून को साफ करने में मदद करता है जिससे शरीर में जमा विषाक्त पदार्थों

अपने साथ रखें घरवालों की सेहत का भी है ख्याल

कर लें मूली के पत्तों से दोस्ती, फायदे कर देंगे हैरान

भारत का शायद ही ऐसा कोई घर हो ,जहां मूली का इस्तेमाल न किया जाता हो. ज्यादातर लोग इसका प्रयोग सलाद के रूप में और पराठे बनाने में करते हैं, लेकिन लोग इसके पत्तों को फेंक देते हैं. क्योंकि उन्हें इसके गुणों के बारे में नहीं पता होता. जी हां! मूली के पत्तों में मूली की तरह ही पोषक तत्व होता है.इसमें विटामिन , विटामिन क्र ष्ट के साथ ही क्लोरीन, फॉस्फोरस, सोडियम, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो स्वास्थ के लिए बेहद लाभकारी हैं. आज इस आर्टिकल में हम आपको मूली के पत्ते खाने के फायदे बताने जा रहे हैं, तो आइये जानते हैं।

मूली के पत्तों में विटामिन ए, विटामिन बी, सी के साथ ही क्लोरीन, फास्फोरस, सोडियम, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो आपके पेट के लिए काफी लाभदायक होते हैं।

मूली के पत्तों का प्रयोग करने से शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और थकान महसूस नहीं होती।

नीम की पत्ती के चौंकाने वाले फायदे, पत्तियां खाएं और रोग से मुक्ति पाएं

नीम एक ऐसा पेड़ है जिसके तने, पत्तियां और बीज औषधि का काम करते हैं. गांवों अभी लोग इसकी टहनियों की दातून करते रहे हैं. इसकी पत्तियों का इस्तेमाल दवा बनाने में करते हैं. इसके बीज का भी इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है. हालांकि बहुत से इसकी पत्तियों को इसकी कड़वाहट के कारण नहीं पसंद करते हैं. मगर आयुर्वेद में इसके चौंकाने वाले फायदे बताए गए हैं. रोजाना सुबह खाली पेट नीम की पत्तियों खाने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही शारीरिक विकार भी दूर होते हैं.

नीम, जिसे चमत्कारिक जड़ी बूटी के रूप में भी जाना जाता है. इसका हर हिस्सा औषधीय उपचार में काम आता है. नीम रक्त को साफकरता है और शरीर से किसी भी जहरीले तत्व को बाहर निकालने में मदद करता है. नीम में फंगस, वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की क्षमता होती है. यह अपने एंटीकैंसर गुणों के लिए जाना जाता है.

यह मात्र एक ऐसा पेड़ा है जिसके हर हिस्से का इस्तेमाल औषधि बनाने के लिए किया जाता है. इसकी छाल, पत्ते और बीज के चमत्कारिक फायदे आयुर्वेद में बताए गए हैं. कई बार, जड़, फूल और फल का भी उपयोग किया जाता है. नीम के पत्तों का उपयोग कुष्ठ रोग के लिए किया जाता है. इसके इस्तेमाल से नेत्र विकार, नकसीर, आंतों के कीड़े, पेट की ख़राबी, भूख न लगना, त्वचा के अल्सर, हृदय और रक्त वाहिकाओं के रोगों (हृदय रोग), बुखार, मधुमेह, मसूड़ों की बीमारी (मसूड़े की सूजन) और जिगर के रोग ठीक हो जाते हैं.

इसके अलावा नीम की छाल का इस्तेमाल मलेरिया, पेट और आंतों के अल्सर, त्वचा रोग, दर्द और बुखार को ठीक करने में किया जाता है. नीम में ऐसे रसायन की खान हैं जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने, पाचन तंत्र में अल्सर को ठीक करने, बैक्टीरिया को मारने और मुंह में प्लाक के निर्माण को रोकने में मदद कर सकते हैं.

एक शोध बताता है कि नीम के पत्तों का अर्क दांतों और मसूड़ों पर 6 सप्ताह तक रोजाना लगाने से प्लाक यानी दांतों पर मैल जमना कम हो सकता है. यह मुंह में बैक्टीरिया की संख्या को भी कम कर सकता है जो दांतों की मैल यानी डेंटल प्लाक का कारण बनता है. यदि अर्क नहीं मिलता है तो आप नीम के पत्तों को ही अच्छी तरह से धोकर सुबह-सुबह चबा सकते हैं. हालांकि 2 सप्ताह तक नीम के अर्क से कुल्ला करने पर प्लाक या मसूड़े की सूजन को कम करने के कोई प्रमाण नहीं मिलते हैं.

अगर आप आप नीम की पत्तियों का सेवन नहीं करना चाहते हैं, तो इसकी चटनी बना सकते हैं. नीम की चटनी को रोज सुबह खाने से आप तमाम तरह के वायरस और बैक्टीरिया से बच सकते हैं। रोजाना बासी मुंह नीम की चार पत्तियां खाने से भी जगह के फायदे मिलते हैं. इसके खाने से खून साफहोता है, पेट में किसी तरह बीमारी की संभावना काफी कम हो जाती है. कील, मुंहासे नहीं निकलते हैं और त्वचा चमकदार होती है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ऐसा नहीं कि तू मेरी

ऐसा नहीं कि तू मेरी किस्मत में नहीं था हालात बदलने की मैं हालत में नहीं था कुछ तुमने भी जाते हुये आवाज़ नहीं दी और मुड़ के देखना मेरी आदत में नहीं था तुमने भी आना नहीं छोड़ा ख़्याल में और तुझको भूलना मेरी फ़ित्तरत में नहीं था इस कदर लज्जत मिली तेरे फ़िराक में इतना मज़ा जानां तेरी चाहत में नहीं था।

- अनु मित्तल

खुद से ज्यादा

खुद से ज्यादा परवाह है मुझे तुम्हारी, प्रेम किया है तुमसे, पर प्रेम कब मुकम्मल हुआ है, तुम्हारी एक खुशी पर कुर्बान मेरी जिंदगी सारी! मैं कल न भी रहूँ मेरी बातें ,मेरी यादें, मेरी हर एक साँस, सब तुम्हारे साथ ही तो है रखना इन्हें संभालकर।

- मोहिनी गुप्ता

खास पाती | मात भवानी माँ कल्याणी जग

मात भवानी माँ कल्याणी जग की पीड़ा दूर करो। भक्त तुम्हारे संकट में माँ कष्टों को अब दूर करो।। पाप बढ़ रहा है जग में दुराचार अब छल रहा है। आओ आकर जग की पीड़ा पल में माते दूर करो।। अज्ञान का है अंधेरा मानव दम्भ में चूर हुआ है। ज्ञान की आकर ज्योति जलाओ तम फैला हुआ है।। लोभ मोह माया ने घेरा वासना विकराल बड़ी। कामनाएं भी मचल रही मुस्काती है दूर खड़ी ।। हंसवाहिनी माँ शारदे अंधियारे को अब दूर करो। मानवता का विस्तार कर विषय वासना चूर करो।। विपदाओ ने हमको घेरा अभिलाषा लाचार हुई। आओ मन मे आकर दूषित विचार को दूर करो। **- आकांक्षा द्विवेदी**

तेरी हर बात तेरे साथ कि वो

तेरी हर बात, तेरे साथ कि, वो याद आती है। भले वो चंद घड़ियाँ दी, सजाएं याद आती है। हिफ़ाजत में नज़ाकत से,तूने मुझको लुभाया था। शौख मदहोश सी क़ातिल,अदाएं याद आती है। तेरे लब छायी खामोशी,झुका नज़रे वो मुस्काना। कनखि़या ताकती चितवन,फ़िज़ाएं याद आती है। साथ जो चंद पल तेरा,लगी लम्बी जुदाई फिर। निभाई जो कभी तूने, वफ़ाएं याद आती है। मेरी पैसानी पर चमकी, ज्वर से चंद बूंदे थी। छिपा आंचल में रो देना, दुआएं याद आती है।

- हेमराज सिंह

भीड़ हमेशा उस रास्ते पर चलती है

भीड़ हमेशा उस रास्ते पर चलती है जो रास्ता ÷आसान÷ लगता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भीड़ हमेशा सही रास्ते पर चलती है, अपने रास्ते खुद चुनिए क्योंकि आपको आपसे ÷बेहतर÷ और कोई नहीं जानता।**- संतोष कुमार मिश्रा**

खूबसूरत फूलों की झुकी-झुकी

खूबसूरत फूलों की झुकी-झुकी नाजुक डाली है।। शिव स्वरूपा गौरी,दुर्गा धात्री,अनोखी माँ काली है।। हा-हा कार हुआ चारो ओर कैसी फैली महामारी है मिटाओ दुख -संताप पुकारे भक्त बजाये ताली है।। मरुथल हुआ जाता है दिल का कोना-कोना माँ विराजो हर घर द्वार में सजी पूजा की थाली है।। पथ पर आँचल बिछा है माँ नन्हे -नन्हे पग धरो पा कर तेरे दर्शन सूने नयनों ने ठंडक पा ली है।। रोशनी की किरण बन बेबसों की आस बनो माँ ये चमन आबाद रहे कहे कायनात का माली है। **- वंदना भट्नागर**

मेडिकल गाइडलाइंस के हिसाब

मेडिकल गाइडलाइंस के हिसाब से अगर इंडिया के 135 करोड़ लोग... एक दूसरे से 2 गज की दूरी बनाने लगे... तो 25 करोड़ लोग... पाकिस्तान में... 15 करोड़ लोग बांग्लादेश में... 6 करोड़ लोग समुद्र के रास्ते श्रीलंका पहुंच जाएंगे...! **- कुमार संतोष**

मौत जैसे आईना लेके खड़ी है

मौत जैसे आईना लेके खड़ी है जिन्दगी दर्द से लिपटी पड़ी है सांस थम जाए किसी पल भी आग चारों तरफऐसी लगी है लड़ना पड़ेगा फिर भी हमें उम्मीदें सारी बिखरी पड़ी है दुआओं का एक सहारा बस इबादत की राह दर्द से बड़ी है। **- मीना सोनी**

जाने क्यों खुद को तन्हाई-ए-आलम पाते

जाने क्यों खुद को तन्हाई-ए-आलम पाते हो जबकि बातों -ए-भरी रातें अब भी आते ही हैं जहाँ हर पहर मुलाकातें-ए-दौर अब भी यही हैं ये दौर-ए-लम्हा गुजर जाएगा बस धैर्य का सबब कुछ यूं गुजर जाए।

- सोनू कुमार आकाश

QUIZ TIME

1) जिनेदिन जिदाने से पहले फुटबॉल विश्व कप के फाइनल में दो गोल करने वाले अंतिम खिलाड़ी कौन थे?
2) सीता को वह रत्न किसने भेंट किया था, जो उन्होंने हनुमान के माध्यम से श्रीराम के पास वापस भेजा था?
3) 1905 में निकोलस द्वितीय द्वारा बनाई गई जार की संसद को क्या नाम दिया गया था?
4) नाजी जर्मनी की वायु सेना का क्या नाम था?
5) प्राचीन 'शिल्पशास्त्र ' से प्रेरित होकर विद्याधर चक्रवर्ती ने किस भारतीय शहर का निर्माण एवं रचना की थी?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मरियो केंपेस (अर्जेंटीना) (2) जनक (3) ड्यूमा (4) लुफ्तवैफे (5) जयपुर

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1612 - मुगल बादशाह शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया। 1859 - वर्ष 1857 विद्रोह के नेता तात्यां तोपे को फांसी दी गयी। 1906 - सैन फ्रांसिस्को में भूकंप और आग से लगभग 4000 लोगों की मौत। 1917 - महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया। 1930 - सूर्य सेन उर्फमास्टर दा और इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 लोगों ने चटगांव शस्त्रागार पर धावा बोला। 1948 - नीदरलैंड के हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का गठन हुआ। 1950 - विनोबा भावे ने आंध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) के पचमपल्ली गाँव से भूदान आंदोलन की शुरुआत की। 1955 - महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हुआ। 1971 - सम्राट अशोक नामक देश का पहला जंबो जेट विमान 747 मुंबई में उतरा। 1978- प्रख्यात लेखक खुशवंत सिंह के पिता शोभा सिंह का निधन। 1980 - जिंबाब्वे ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने की घोषणा की। 1991 - केरल भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य घोषित हुआ। 2013- इराक की राजधानी बगदाद में बम धमाकों में 27 की मौत, 65 घायल। 2014- माउंट एवरेस्ट पर हिमस्खलन से नेपाल के 12 पर्वतारोहियों की मौत।

अभिनेत्री हेलेन मेकक्रोरी का कैंसर से निधन

मुंबई। हॉलीवुड अभिनेत्री हेलेन मेकक्रोरी के फैन्स के लिए एक दुखद खबर सामने आई है। हेलेन मेकक्रोरी का निधन हो गया है। हेलेन कैंसर से जूझ रही थीं और 52 की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। हेलेन मेकक्रोरी के निधन की जानकारी उनके पति डैमियन लुइस ने सोशल मीडिया पर दी।

हैरी पॉटर सहित इन फिल्मों में किया काम

बता दें कि हेलेन मेकक्रोरी ने जेम्स बॉन्ड की फिल्म स्काइफॉल के साथ ही मार्टिन स्कोरसिसी की ह्यूगो में भी काम किया है। वहीं फैन्स उन्हें उनके हैरी पॉटर में निभाए गए किरदार के लिए हमेशा याद करेंगे। इसके साथ ही हेलेन ने 'पीकी ब्लाइंडर्स' शो में पोली ग्रे के किरदार से भी दर्शकों का दिल जीता था।

डैमियन लुइस का पोस्ट

डैमियन लुइस ने हेलेन के निधन की जानकारी देते हुए ट्विटर पर लिखा, 'अत्यंत दुख के साथ मैं ये आप सभी के साथ साझा कर रहा हूं कि कैंसर से जंग लड़ने के बाद आखिरकार हेलेन मेकक्रोरी का निधन हो गया है। हेलेन ने अपने परिवार और दोस्तों के बीच घर पर ही अपनी आखिरी सांस ली। हम सभी बेहद खुशकिस्मत हैं, जो हम हेलेन के साथ रहे। वह एक चमकता सितारा थीं।

प्रिंस सिंह राजपूत के साथ जोड़ी जमायेगी पायस पंडित

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के बाहुबली स्टार प्रिंस सिंह राजपूत और अभिनेत्री पायस पंडित की जोड़ी 'ई रिश्ता जनम जनम के' में नजर आयेगी।

पायस पंडित फ़िल्म 'ई रिस्ता जनम जनम के' के जरिये लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी कर रही है। फिल्म में पायस, प्रिंस सिंह राजपूत के साथ नजर आयेगी। पायस फिल्म 'ई रिस्ता जनम जनम के' की शूटिंग गोरखपुर में कर रही है।

पायस पंडित, प्रिंस सिंह राजपूत के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर कर रही है।अजय कुमार निर्देशित फिल्म के निर्माता मनोज पंडित है, जबकि फ़िल्म के मुख्य भूमिका में प्रिंस सिंह राजपूत और पायस पंडित के आलवा, रंजन कुमार,तनुज राठौर, अमित शुक्ला,राम सुजान सिंह उर्फचौबे जी,ब्रजेश त्रिपाठी, स्वीटी सिंह,राहुल श्रीवास्तव और साथ मे संजय सिंह है। बाल कलाकार के रूप में रितिक प्रजापति तथा निपुण प्रजापति नज़र आयेंगे। फ़िल्म के स्पेशल अपीयरेन्स में भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी नज़र आयेगी।

पवन सिंह का नया गाना 'कटनी ना होई ए बलम' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह का नया गाना 'कटनी ना होई ए बलम' रिलीज हो गया है। पवन सिंह का नया गाना 'कटनी ना होई ए बलम' रिलीज के साथ वायरल हो गया है। पवन सिंह का यह गाना आज वेव म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। यह गाना कृषि प्रधान विषयों पर आधारित चैती गीत है। एक किसान और उसकी नई नवेली दुल्हन के बीच का संवाद इस गाने में देखने को मिल रहा है। जहां एक किसान की शादी आज के समय में होती है, जब खेतों में फसल पक गए होते हैं। उसकी कटनी करनी है और इसलिए वो अपनी पत्नी को भी कटनी करने को कहता है। इस पर पत्नी का जवाब आपको इस गाने में मिलेगा, जो रोमांस से भरपूर है।पवन सिंह ने अपने इस गाने को खेतों में गेहूं की कटाई कर रहे किसान भाई एवं बहनों को डेडिकेटेड किया है और कहा है कि आप हमारा ये गाना सुनिए और झूम झूम कर अपनी मेहनत की फसल काटिये। उन्होंने कहा कि यह गाना सबों को पसंद आ रहा है। इसके लिए सबों का शुक्रिया।

21 अप्रैल को रिलीज होगी गुंजन पंत की चांद जैसन दुलहिन हमार

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेत्री गुंजन पंत की आने वाली फिल्म चांद जैसन दुलहिन हमार 21 अप्रैल यूट्यूब पर रिलीज होगी। सदगुरू एंटरटेनमेंट हाउस के बैनर पर बनी फिल्म चांद जैसन दुलहिन हमार में गुंजन पंत, प्रेम सिंह,विमल पांडेय, पल?लवी कुलकर्णी, दीपक सिन?हा, विनोद मिश्रा, जे पी सिंह, अरूण कुमार दुबे, सुनील दत्त पांडेय, जे के चौहान, साहब लालधारी, पूनम राय, रवीना सिंह, चंद्र मुखी आदि मुख?य भूमिका में हैं। 'चांद जइसन दुलहिन हमार' 21 अप्रैल को यूट्यूब पर रिलीज होगी। 'चांद जइसन दुलहिन हमार' के निर्माता अरुण कुमार दुबे ने बताया कि बढ़ते कोरोना संक्रमण के बाद दर्शकों का सिनेमाघरों में जाना खतरे से खाली नहीं है। ऐसे में हमने फैसला किया कि हम इस फि?म का यूट्यूब पर ही रिलीज करेंगे, जिससे लोग अपने घरों में इस फि?म का पूराड्ढ पूरा मनोरंजन ले सकें। यह फि?म बेहद पारिवारिक फि?म है, जिसे हमने बेहद भव्यता के साथ बनाया है। यह फ़िल्म खास कर महिला दर्शकों को खूब भाने वाली है। फ़िल्म की पटकथा से लेकर गीत- संगीत तक लाजवाब हैं। फ़िल्म का ट्रेलर पहले ही जारी हो चुका है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद भी किया है। फि?म पर हमने काफी मेहनत की है। इसलिए उम?मीद है कि फि?म भी दर्शकों को खूब पसंद आने वाली है। गौरतलब है कि फ़िल्म के निर्देशक राम जे पटेल हैं। फि?म के संगीत निर्देशक सावन कुमार हैं तथा गीत प?यारेलाल यादव, शेखर मधुर, विनय निर्मल और पिंटू गिरि के हैं।

न्यूज गैलरी

विदेशी मुद्रा भंडार 4.34 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो सप्ताह की गिरावट से उबरते हुए 9अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 4.34अरब डॉलर बढ़कर 581.23अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले समाप्त सप्ताह में 2.42अरब डॉलर गिरकर चार महीने से अधिक के निचले स्तर 576.87 अरब डॉलर पर आ गया था। रिजर्व बैंक द्वारा आज जारी आँकड़ों के अनुसार, 09 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.01 अरब डॉलर चढ़कर 539.45अरब डॉलर पर रहा। स्वर्ण भंडार भी 1.29 अरब डॉलर बढ़कर 35.32 अरब डॉलर पर रहा।

इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.94 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 60 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 1.49 अरब डॉलर रहा।

रुपया 58 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजार में तेजी बने रहने के साथ ही दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 58पैसे मजबूत होकर 74.35रुपए प्रति डॉलर पर रहा।

रुपया पिछले दिवस 74.93 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में आज रुपया 17 पैसे की मजबूती लेकर 74.76 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका निचला स्तर भी रहा। सत्र के दौरान रुपया 74.28 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा।अंत में रुपया पिछले दिवस की तुलना में 58 पैसे की मजबूती लेकर 74.35 प्रति डॉलर पर रहा।

लातविया ने भारत पर बनायी 2-0 की बढ़त

जुर्माला(लातविया) (वार्ता)। जेलेना ओस्तापेंको और अनस्तासिजा सेवस्तोवा के शानदार प्रदर्शन से लातविया ने भारत के खिलाफबिली जीन किंग कप प्लेऑफमुकाबले में शुक्रवार को 2-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। ओस्तापेंको ने भारत की अंकिता रैना को तीन सेटों के संघर्ष में 6-2,5-7,7-5 से और सेवस्तोवा ने भारत की करमन कौर थांडी को एकतरफा अंदाज में 6-4, 6-0 से हराकर लातविया को 2-0 से आगे कर दिया। विश्व में 52वें नंबर की खिलाड़ी ओस्तापेंको ने अपनी जीत के बाद कहा ,''मैं अपने प्रदर्शन से पूरी तरह खुश नहीं हूँ।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से फिर बढ़ी बेरोजगारी

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से आर्थिक सुधार की रफ्तार फिर से धीमी हो गई है। राज्यों द्वारा कोरोना संक्रमण रोकने के लिए लगाए जा रहे लॉकडाउन से उत्पादन घटा और बेरोजगारी बढ़ी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सीएमआईई की रिपोर्ट के अनुसार, 11 अप्रैल को समाप्त हफ्ते में शहरी बेरोजागरी बढ़कर 9.81 फीसदी पर पहुंच गई है। वहीं, 28 मार्च को सप्ताह में यह 7.72 फीसदी और मार्च के पूरे महीने में यह 7.24 फीसदी थी।

वहीं, इस दौरान राष्ट्रीय बेरोजगारी बढ़कर 8.58 फीसदी पर पहुंच गई है जो 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में 6.65 फीसदी थी। इसी तरह ग्रामीण बेरोजगारी इस दौरान 6.18 फीसदी से बढ़कर 8त्न पर पहुंच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए कई राज्यों के शहरों में आंशिक लॉकडाउन लगा दिया गया है। इससे बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है।

इसलिए बढ़ी बेरोजगारी

जानकारों की मानें तो कोरोना की दूसरी लहर का प्रभाव शहरी रोजगार पर मार्च से ही देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के शहरों में आंशिक लॉकडाउन या नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया। दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में मॉल, रेस्टोरेंट, बार जैसी सार्वजनिक जगहों पर कोरोना नियमों के अनुपालन में सख्ती से शहरी रोजगार में और कमी देखने को मिली है और आने वाले दिनों में और परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कई राज्यों में कोरोना की औचक जांच के साथ कोरोना निगेटिव सर्टिफिकेट के साथ प्रवेश के नियम की वजह से पर्यटन क्षेत्र के रोजगार में भी कमी आने की संभावना है। गांवों में भी बढ़ेगी परेशानी विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में ग्रामीण इलाके में रबी की फसल अच्छी होने व मनरेगा में लगातार काम मिलने से शहर के मुकाबले बेरोजगारी का स्तर कम है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें दूसरे दिन भी स्थिर

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में नरमी का रुख बने रहने के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें शनिवार को लगातार दूसरे दिन स्थिर रही। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 15 दिन स्थिर रहने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को इनमें कटौती की थी। दिल्ली में उस दिन पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 90.40 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत भी 14 पैसे घटकर 80.73 रुपये प्रति लीटर पर आ गई। इससे पहले लगातार 15 दिन तक दोनों ईंधनों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

अडाणी ग्रीन की कंपनी को मिली 150 मेगावाट की सौर परियोजना

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी की कंपनी एआरईएचफिफ्टीनएल ने टोरेंट पावर से 150 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना का ष्टश्ठह्लह्म्ड्डष्ह्ल प्राप्त किया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अडाणी रिन्यूएबल इनर्जी होल्डिंग फिफ्टीन लिमिटेड ने गुजरात में स्थापित किए जाने वाली और ग्रिड से जोड़ी जाने वाली इस सौर फोटोवोल्टिक विद्युत परियोजनाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बोलियों की प्रक्रिया के माध्यम से यह परियोजना हासिल की। शेयर बाजार बीएसई को दी गई सूचना में कहा गया है कि एआरईएचफिफ्टीनएल को 150 मेगावाट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना क्षमता के लिए निर्धारित शुल्क, 25 वर्ष की अवधि के लिए 2.22 रुपये प्रति किलोवाट है। इस परियोजना के वित्तवर्ष 2023 के तीसरी तिमाही तक चालू होने की उम्मीद है।इसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में कंपनी की 3,520 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं चालू हैं। इसके साथ, एजीईएल के पास अब कुल पोर्टफोलियो 15,390 मेगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजना की क्षमता है।

बेंगलुरु को जीत की हैट्रिक से रोकने उतरेगा कोलकाता

चेन्नई (वार्ता)। कोलकाता नाईट राइडर्स रविवार को होने वाले दिन के पहले मुकाबले में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत की हैट्रिक से रोकने के इरादे से उतरेगी।

बेंगलुरु ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर दो विकेट से हराया था और फिर उसने सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से पराजित किया था। दूसरी तरफकोलकाता ने अपने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 रन से हराया था लेकिन अगले मुकाबले में उसे मुंबई के खिलाफ 10 रन से हार का सामना करना पड़ा था। कोलकाता ने मुंबई को 152 रन पर रोक दिया था लेकिन टीम फिर खुद 142 रन पर ठिठक गयी थी। कोलकाता के पिछले मैच के प्रदर्शन के बाद टीम के सह मालिक और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ खान ने अपनी टीम के इस प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से सोशल मीडिया पर माफ़ी भी मांगी थी।

कोलकाता को अब चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले के लिए पिछले मैच के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय कप्तान विराट के नेतृत्व वाली बेंगलुरु टीम ने उद्घाटन मुकाबले में मुंबई के खिलाफउद्घाटन मुकाबले में मिली दो विकेट की जीत और फिर हैदराबाद के खिलाफ मिली छह रन की संघर्षपूर्ण जीत के बाद टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में अपने खिलाड़ियों से कुछ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करनी होगी ताकि टीम अपनी विजयी लय को बरकरार रख सके।

कीमती धातुओं पर दबाव, सोना चांदी नरम

मुंबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर डॉलर की तुलना में रुपये में आई मजबूती केबल पर आज वायदा बाजार में सोने चांदी पर जवाब देखा गया जिससे इन दोनों धातुओं में नरमी रही।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.96फीसदी बढ़कर 1780.11डॉलर प्रति औंस और सोना वायदा 0.71प्रतिशत उठकर 1777.90डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 1.24फीसदीकी बढ़त के साथ 26.18डॉलर प्रति औंस बोली गई। घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में जारी तेजी के साथ ही रुपए में आई मजबूती के कारण देश के सबसे बड़े वायदा कारोबार बाजार एमसीएक्स में सोना 46608रुपए प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 46317रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा।

इस दौरान चांदी मामूली गिरावट लेकर 67638रुपए प्रति किलो और चांदी मिनी 67664रुपए प्रति किलो बोली गई।

पाक ने दक्षिण अफ्रीका से टी-20 सीरीज 3-1 से जीती

सेंचुरियन (वार्ता)। फखर जमान की 60 रन की शानदार पारी और निचले बल्लेबाज मोहम्मद नवाज के नाबाद 25 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को चौथे और अंतिम टी-20 मुकाबले में शुक्रवार को तीन विकेट से हराकर चार मैचों की सीरीज 3-1 से जीत ली। पाकिस्तान ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी। पाकिस्तान ने पहला टी -20 गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन मैच जीते और यह सीरीज भी अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने रैसी वान डेर डुसेन के 36 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से बने 52 रन और जानेमन मलान के 33 रनों की बदौलत 19.3 ओवर में 144 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका एक समय दो विकेट पर 109 रन बनाकर काफी अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद उसने 35 रन जोड़कर शेष सात विकेट गंवा दिए। हसन अली ने 40 रन पर तीन विकेट , फहीम अशरफने 17 रन पर तीन विकेट और हारिस रउफने 17 रन पर दो विकेट निकाले। पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करते हुए

ओपनर मोहम्मद रिजवान को पारी की दूसरी गेंद पर ही गंवाया लेकिन कप्तान बाबर आजम और फखर जमान ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की शानदार साझेदारी की। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान ने 37 रन जोड़कर अपने छह विकेट गंवा दिए और वह 129 रन पर सात विकेट गंवा कर संकट में फंस गया। लेकिन मोहम्मद नवाज ने 21 गेंदों पर एक चौका और दो छक्के जमकर नाबाद 25 रन बनाये और पाकिस्तान को एक गेंद शेष रहते तीन विकेट से रोमांचक जीत दिला दी। फहीम अशरफको प्लेयर ऑफ़ द मैच और बाबर आजम को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

धोनी के 200 वें मैच में चेन्नई ने पंजाब को आठ विकेट से पीटा

चाहर ने चार ओवर लगातार डाले और 13 रन देकर चार विकेट लिए

मुंबई (वार्ता)। तेज गेंदबाज दीपक चाहर (13 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से चेन्नई सुपरकिंग्स ने पंजाब किंग्स को आईपीएल 14 के मुकाबले में शुक्रवार को एकतरफा अंदाज में छह विकेट से पीटकर दो मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह 200 वां आईपीएल मैच था और उनकी टीम ने शानदार जीत हासिल की।

चेन्नई ने पंजाब को 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन के मामूली स्कोर पर रोका और फिर 15.4 ओवर में चार विकेट पर 107 रन बनाकर आसान जीत अपने नाम की। चेन्नई ने रुतुराज गायकवाड (5) को जल्दी ही गंवाया लेकिन फाफ डू प्लेसिस और मोईन अली ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। मोईन 31 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाकर मुरुगन अश्विन की गेंद पर शाहरुख़ खान के हाथों कैच आउट हुए। मोईन का विकेट 90 के स्कोर पर गिरा। मैदान पर आये सुरेश रैना नौ गेंदों पर आठ रन बनाकर मोहम्मद शमी की बाउंसर पर विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच आउट हुए। अम्बाटी रायुडू आने के साथ ही अपनी पहली गेंद को ऊंचा खेल गए और निकोलस पूरन ने आसान कैच लपक लिया।रायुडू का विकेट 99 के स्कोर पर गिरा।

लक्ष्य बड़ा नहीं था इसलिए चेन्नई को कोई परेशानी नहीं हुई। सैम करेन ने विजयी चौका मारकर मैच समाप्त किया। करेन पांच रन बनाकर और डू प्लेसिस 33 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का सही फैसला किया। दीपक चाहर ने अपने शुरूआती घातक स्पैल में पंजाब के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। पंजाब ने अपने पांच विकेट मात्र 26 रन तक गंवा दिए थे। यह तो भला हो शाहरुख़ खान का जिन्होंने 36 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 47 रन बनाकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। शाहरुख़ आखिरी ओवर में सैम करेन का शिकार बने। उस समय पंजाब का स्कोर 101 रन था।

एसयूवी क्लास में हिस्सा लेने वाली पहली महिला रेसर बनेंगी ख्याति मोदी

मुंबई (वार्ता)। मुंबई की जानी-मानी रैली ड्राइवर ख्याति मोदी उस मुकाम पर पहुंचने के लिए तैयार है, जहां कोई महिला रेसर पहले नहीं पहुंची है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार पोडियम हासिल करने के बाद ख्याति अब आगामी इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप (आईएनआरसी) 2021 में एसयूवी क्लास में भाग लेने वाली पहली और एकमात्र महिला रेसर बनने के लिए तैयार हैं। ख्याति ने कहा, ÷मैं नए सीजन को लेकर बेहद उत्साहित हूं क्योंकि मैं एक नई क्लास में भाग लेने जा रही हूं। पिछले साल आईएनआरसी में अपनी पहली रेस के दौरान मैं दूसरे स्थान पर रहने में कामयाब रही थी, जबकि मैंने अंतिम राउंड में भाग नहीं लिया था क्योंकि मैं कोविड पॉजिटिव पाई गई थी। इस साल भी, वह कोविड-19 के खतरों से अवगत है क्योंकि मौजूदा समय में भारत में कोविड की दूसरी लहर जारी है। उन्होंने कहा, ÷बहुत सारी चिंताएं हैं लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं इस साल प्रत्येक राउंड में प्रतिस्पर्धा कर सकती हूं। संयोग से, ख्याति रेस में हिस्सा लेने के लिए दुबई का दौरा करेगी। वह एक विटारा में हिस्सा लेगी। ये वही मॉडल है, जिसके साथ वह डेजर्ट स्टॉर्म आई 2019 को पूरा करने वाली एकमात्र महिला ड्राइवर बनीं थी।

न्यूज गैलरी

चोरी छिपे दुकानदारी करने वालो पर पालिका ने किया जुर्माना

भाटापारा। शहर की प्रमुख सड़को सहित अंदर की गलियो में भी घूम रही मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी के नेतृत्व वाली टीम ने लॉक डाउन का उल्लंघन करने पर शुक्रवार को पुनः कार्यवाही की । शुक्रवार को चार दुकानों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है और इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि लॉक डाउन का लोग उल्लंघन ना करें अन्यथा कार्रवाई की जाएगी । इस चार दुकानदारों से ?5000 जुर्माना वसूल किया गया ।इसमें पुनाराम साहू सब्जी विक्रेता को ?2000 का जुर्माना किया गया, सीताराम साहू सब्जी विक्रेता को भी ?2000 का जुर्माना किया गया विक्रांत कुमार गुप्ता को ?500 का जुर्माना किया गया जबकि संदीप पुरी सब्जी विक्रेता को ?500 का जुर्माना किया गया। इस कार्रवाई में मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशीष तिवारी स्वच्छता निरीक्षक रविंद्र शुक्ला विकास वैष्णव के सहित पालिका के कर्मचारी मौजूद थे। मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने कहां के चारो ही दुकानदार लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए व्यवसाय कर रहे थे जिनके खिलाफकार्रवाई की गई है उन्होंने नगर के समस्त व्यापारियों से दुकानदारों से यह अनुरोध किया है कि वह लोग जिला प्रशासन के निर्देश पर लगाए गए लॉकडाउन का पालन अनिवार्य रूप से करें दुकान व्यवसाय खुली पाए जाने पर प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला पेट्रोल पेट्रोलियम डिलर एशोसिएशन के सदस्यों ने कलेक्टर से भेंटकर दिए 1 लाख रूपए का सहयोग

कवर्धा। कोविड-19 कोरोना वायरस से संक्रमित नागरिकों के बेहतर उपचार और उन्हें ऑक्सीजन सिलेण्डर उपलब्धता बनाएं रखने के लिए कबीरधाम जिले में विभिन्न सामाजिक संगठनों, सामाजसेवी संस्थानों और व्यक्तिगत रूप से राज्य शासन और जिला प्रशासन के सहयोग के लिए मदद का सिलसिला जारी है। आज जिला पेट्रोल पेट्रोलियम डिलर एशोसिएशन के सदस्य श्री गिरीराज दास वैष्णव, श्री अजीत चंद्रवंशी, श्री विजय पाण्डेय और श्री महेश चंद्रवंशी ने कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा से भेंटकर 1 लाख रूपए का चेक सहयोग प्रदान किया है। कबीरधाम जिले में कोरोना वायरस कोविड-19 के बढ़ते प्रकरणों व अन्य नजदीकी जिलों के हालात को देखते हुए जिले के निकट भविष्य में और अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत को देखते हुए कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा द्वारा जिले के समाज प्रमुख, सामाजिक, धार्मिक संगठनों और समितियों से कोरोना संक्रमित लोगों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर दान करने की अपील की गई है। कबीरधाम जिले में कोरोना से संक्रमण से प्रभावित व्यक्तियों के बेहतर इलाज के लिए समाज प्रमुख, सामाजिक, धार्मिक संगठनों और समिति के सदस्य भी आगे आ रहे है। दान की प्राक्रिया अभी जारी है।

जिला आबकारी विभाग की कार्यवाही अवैध महुआ शराब और सामग्री जब्त

कवर्धा। आबकारी आयुक्त श्री निरंजन दास, प्रबंध संचालक श्री ए.के. त्रिपाठी एवं उपायुक्त आबकारी श्री एस.एल. पवार द्वारा मदिरा के अवैध परिवहन एवं संधारण पर कड़ी कार्यवाही करने के आदेश दिये गये है। तत्संबंध में कलेक्टर श्री रमेश शर्मा के निर्देशन, जिला आबकारी अधिकारी श्री ए.के. सिंह एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री नितिन खण्डूजा के मार्गदर्शन में 7 अप्रैल को वृत्त सहसपुर लोहारा के ग्राम नवागांव (बैगापारा) में समल सिंह मरकाम के घर छापामारी में 45 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया एवं आरोपी को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34 (2), 59 (क) के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेजा गया है। इसके अतिरिक्त 3 अप्रैल को ग्राम नवागांव के समीप जंगल में नदी किनारे छापामारी कर 10 बड़े ड्रम में प्रत्येक में 200 किलो ग्राम तथा 05 छोटे ड्रम में प्रत्येक में 100 किलो ग्राम महुआ पास कुल 2500 किलोग्राम महुआ पास एवं 40 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया था। लेकिन प्रकरण में घटना स्थल से आरोपी फरार हो गया था जिसकी पतासाजी की जा रही है। उक्त प्रकरणों में आबकारी उपनिरीक्षक श्री नागेश श्रीवास्तव, श्री मनीष साहू, श्री तुलेश देशलहरे, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री जनकराम जगत, श्री हुलासराम धारणे, श्री जयसिंह मरकाम, आबकारी आरक्षक श्री संदीप तिर्की, नगर सैनिक श्री गुमान सिंह, श्री राजेश ध्रर्वे, श्री धरमराज राजपूत, भूमि धुर्वे शामिल थे।

निधन

सरला बाई साहू

बेमेतरा। साजा ब्लाक के देवकर नगर के वार्ड क्रमांक -3 नवकेशा रोड निवासी सरला बाई साहू (45 वर्ष) का बीती रात तबीयत बिगड़ जाने आकस्मिक देहांत हो गया। वे होटल संचालक होमलाल साहू व नगर के पत्रकार गौतम साहू की माता थी। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम देवकर में ही किया गया।

मांग से महंगा हो रहा पीपीई किट

प्रदेश में हर रोज 400 नग की निकल रही मांग

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। पी पी ई किट लेने जा रहे हैं तो 400 नहीं 1200 रुपए लेकर निकलें क्योंकि अब यह इतनी ही रकम खर्च करने के बाद मिलेगा। उत्पादन के साथ कीमतें भी बढ़ाई जा चुकी है क्योंकि मांग में दो नए क्षेत्र प्रवेश कर चुके हैं।

मास्क और सैनिटाइजर के अलावा अब कोरोना से बचने के उपायों के बीच पी पी ई किट निर्माण इकाइयों पर उत्पादन बढ़ाने का दबाव बढ़ चुका है। कोरोना के दूसरे दौर के पहले केवल अस्पतालों में ही इसकी जरूरत पड़ती थी। अब जरूरत का क्षेत्र वृहद रूप ले चुका है और उपयोग करने वाली जगह भी बढ़ चुकी है लिहाजा ,बढ़ती मांग के बाद उत्पादन बढ़ा दिया गया है और कीमत भी बढ़ा दी गई है।

रोज 400 नग

प्रदेश में कोरोना ने जैसा तांडव मचाया हुआ है उसके बाद मरीजों और मौतों की बढ़ती संख्या के बीच प्रदेश में हर रोज लगभग 400 नग पी पी ई किट की खपत हो रही है। 300 से 400 रुपए की उत्पादन लागत वाला पी पी ई किट ,बाजार में 1200 रुपए की अधिकतम खुदरा विक्रय मूल्य पर उपलब्ध है। मांग क्षेत्र बढ़ता देख दिल्ली की कंपनियों ने उत्पादन भी बढ़ा दिया है। ऑर्डर देने के पांचवे दिन इसकी पहुंच सुनिश्चित हो जा रही है।

अब यहां से भी मांग

संक्रमण की पुष्टि के बाद होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के परिजन के साथ कोविड केयर सेंटर भी, पी पी ई किट की खरीदी करने वाला नया उपभोक्ता क्षेत्र बन चुका है। मरीजों को लाने-ले- जाने के लिए काम में लगी एंबुलेंस वाहनों में भी अब इसका होना अनिवार्य माना जा रहा है। अंतिम संस्कार के काम में लगे कर्मचारी, कोरोना वारियर्स और परिजन भी, सावधानी और सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम ,पी पी ई किट की खरीदी करने लगे हैं। इस तरह अस्पताल और ऑपरेशन थिएटर तक सीमित रहने वाला, पी पी ई किट मास्क के बाद दूसरा जरूरी सुरक्षा उपाय बन चुका है।

री-यूज नहीं

वायरस के रास्ते में मजबूत अवरोधक बनने वाले पी पी ई किट के दोबारा उपयोग पर कड़ा प्रतिबंध है। इसके अलावा निपटान के लिए कई हिदायत जारी की गई है। केवल जलाया जाना ही इसके निपटान का पहला और अंतिम विकल्प है। इस शर्त का पालन भले ही नहीं किया जा रहा हो लेकिन एक बात अवश्य है कि मार्केट निरंतर ग्रोथ ले रहा है। बाजार फिलहाल मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना कर चल रहा है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की ई-पत्रिका 'ओशिनिया' नाम से प्रकाशित

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। खमरिया, भाटापारा, स्थित दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के प्रबंध तंत्र ने विद्यालय की ई-पत्रिका, ओशिनिया के नाम से प्रकाशित किया, जिसे विद्यालय के वेबसाइट www.delhiworldpublicschool.com पर विस्तृत रूप में देखा जा सकता है।विद्यालय की इस उपलब्धि पर विधायक शिवरतन शर्मा,जिला शिक्षा अधिकारी सी आर धुव,(बलोदा बाजार), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई के एलेसेला (बलोदा बाजार) आदि, ने इस पत्रिका के लिए शुभकामनाएँ दीं।

विदित हो की स्कूल मैगजीन एक सावधिक पत्रिका होती है। स्कूल के प्रबंधक इसे प्रकाशित करते हैं। अध्यापकों की सहायता से विद्यार्थी इसका प्रबंधन करते हैं। स्कूल मैगजीन में निबंध,कविताएँ,कहानियाँ तथा अन्य लेख होते हैं।

इन्हें हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में विद्यार्थी लिखते हैं। कुछ लेख आदि अध्यापकों द्वारा भी लिखे जाते हैं। मैगजीन के सभी लेख राजनीति से परे होते हैं।, स्कूल मैगजीन कई दृष्टियों से अन्य पत्रिकाओं से भिन्न होती है। यह केवल विद्यार्थियों और अध्यापकों के बीच वितरित होती है। यह सामान्य जनता के लिए नहीं होती, क्योंकि उनके रुचि से संबंधित इसमें कुछ नहीं होता। सामान्यतया इसमें स्कूल के खेलकूद के समाचार होते हैं। पिछली परीक्षाओं के परिणामों का भी इसमें जिक्र होता है। स्कूल का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों के इसमें फोटो दिए जाते हैं और उनका उल्लेख किया जाता है।

वैसे, स्कूल मैगजीन के अनेक लाभ होते हैं। एक तो इससे विद्यार्थियों को लेखन को प्रेरणा मिलती है।

लड़के आमतौर से स्वभावतः पढ़ने में रुचि लेते हैं और लिखने के काम से जी चुराते हैं।

मैगजीन में लेख देने के लिए उन्हें कुछ न कुछ लिखना पड़ता है। अपने मैगजीन के लिए उन्हें नियमित रूप से कुछ न कुछ पढ़ना और लिखना पड़ता है। इस प्रकार वे लिखने की कला सीख जाते हैं।

स्कूल मैगजीन विद्यार्थियों को अधिक लगन के साथ पढ़ने को प्रेरित करती है। स्कूल मैगजीन में अपना नाम और फोटो देखने के लिए वह बड़े उत्साह से खेलकूदों में भी भाग लेते हैं। प्रत्येक स्कूल मैगजीन में विद्यार्थियों की प्रगति का विवरण होता है। इसमें उनके द्वारा जीते गए पुरस्कारों और तमगों का वर्णन होता है। इसलिए वे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और खेलकूद में कठिन परिश्रम करते हैं,जो अपना नाम स्कूल मैगजीन में देखना चाहते हैं।

स्कूल मैगजीन विद्यार्थियों को एक-दूसरे के नजदीक लाने में सहायता करती है। मैगजीन मैं लेख देने वाले विद्यार्थियों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए अन्य बहुत नन्हीं पुस्तकें पढ़नी पड़ती है इसके अलावा वे स्वयं विचार करना सीख लेते हैं।सोच विचार से उनकी तर्क बुद्धि प्रखर होती है। मैगजीन के लिए नियमित रूप से लिखते रहने से उनकी लेखन कला विकसित होती है। इससे उनकी भाषा भी सुधर जाती है और धीरे-धीरे भाषा पर अधिकार हो जाता है।

मैगजीन की सफलता के लिए वे आपसी सहयोग का महत्व पहचान लेते हैं। लड़कों के बीच प्रतिद्वंदिता की सही भावना पैदा होती है अध्यापकों द्वारा लिखे गए निबंधों और लेखों में विद्यार्थियों के लाभ के लिए अनेक व्यावहारिक सुझाव होते हैं। योग्य अध्यापकों के लेखन से लड़के भी अच्छे लेख लिखना सीख लेते हैं।

स्कूल मैगजीन से विद्यार्थियों का निजी संबंध होता है। वे स्वयं ही इसका प्रबंध करते हैं,जिसमें अध्यापक उनका मार्गदर्शन और सहायता करते हैं। इसका मुख्य संपादक स्कूल का प्रिंसिपल होता है। अध्यापकों तथा विद्यार्थियों की मिली-जुली कमेटी बनाई जाती है,जो इस की छपाई आदि की व्यवस्था करती है वरिष्ठ अध्यापकों तथा उच्च कक्षाओं के प्रतिभावान छात्र उप-संपादक का काम करते हैं।

वास्तव में स्कूल मैगजीन भावी महान लेखकों के प्रारंभिक लेखन का रिकॉर्ड रखती है। स्कूल की मैगजीन का महत्व अध्यापक से कम नहीं है। इससे विद्यार्थियों के दिमाग और कलम दोनों की ही नियमित कसरत हो जाती है।

पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम रूसे व नगर पंचायत पंडरिया के विभिन्न वार्ड कंटेन्मेंट जोन घोषित

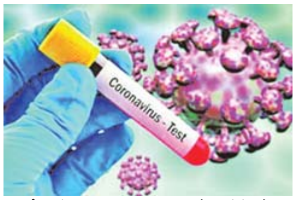

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री रमेश कुमार शर्मा ने कोविड-19, कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के रोकथाम एवं नियत्रंण के तहत पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम रूसे में 10 प्रकरण और नगर पंचायत पंडरिया के वार्ड क्रमांक 7 में 14 प्रकरण, वार्ड 09, 15 और वार्ड 11 में 10-10 पॉजिटीव केस पाए जाने पर क्षेत्र को कन्टेन्मेंट क्षेत्र घोषित किया है।

कंटेन्मेंट जोन के लिए प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार विभिन्न गतिविधियॉं निर्धारित हैं, जिसके तहत अत्यावश्यक सेवाओं जैसे- खाद्य आपूर्ति, आपातकालीन चिकित्सा सेवा को छोड़कर शेष सेवाएं पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी। कंटेन्मेन्ट जोन के अंतर्गत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी कारणों से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित होगा, कंटेन्मेंट जोन की निगरानी के लिए लगातार पुलिस पेट्रोलिंग की जायेगी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य की निगरानी एवं निर्देशानुसार जांच के लिए सेम्पल लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा, प्रभारी अधिकारी कन्टेन्मेंट जोन में घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, कंटेन्मेंट जोन में बैंको में ग्राहक सेवा पूर्णतः बंद रहेगा।

कलेक्टर श्री शर्मा ने पंडरिया विकासखंड के ग्रामों और नगर पंचायत के वार्ड क्षेत्र कंटेन्मेंट जोन के लिए प्रभारी अधिकारी तहसीलदार पंडरिया श्री शिवनंदन साकेत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री लालजी चंद्राकर और पर्यवेक्षण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया श्री दिलेराम डाहिरे को नियुक्त किया है।

जिले के 6 जनपदों में 844 क्वारंटिंन सेंटर तैयार

प्रभारी जिला पंचायत सीईओ ने क्वाराईटिंन सेंटरों का लिया जायजा

नवप्रदेश संवाददाता

बलौदाबाजार। जिलें में बढ़ते हुए संक्रमण को देखतें हुए राज्य शासन के निर्देश पर जिला स्तर में कोरोना ने निपटने हेतु युद्ध स्तर में तैयारी की जा रही है। एक और जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। वहीं दूसरी और अन्य राज्यों से घर लौट रहे प्रवासी मजदूरों के लिए पुनः एक बार फिर क्वाराईटिंन सेंटर तैयार किए जा रहें है। इस सिलसिले में आज प्रभारी जिला पंचायत सीईओ हरिशंकर चौहान ने विभिन्न क्वाराईटिंन सेंटरों का जायजा लिया। सीईओ हरिशंकर चौहान ने बताया की जिले के 6 जनपदों में 844 क्वाराईटिंन सेंटर बनाये गये है। जिसमें जनपद पंचायत बालौदाबाजार में 106,भाटापारा में 108,बिलाईगढ़ 220, कसडोल 180, पलारी125 एवं सिमगा में 105 क्वाराईटिंन सेंटर बनाये गये है। जिसकी प्रारंभिक तैयारी पूरी कर ली गयी है। इसके लिए गाँवो में स्थित शासकीय स्कूलों का भवन, समाजिक भवनों का चयन कर सरपंच सचिवों को निर्देश जारी कर दिया गया है। इन सेंटरो में अन्य राज्यों से आये हुए प्रवासी मजदूरों को 14 दिनों के लिए क्वाराईटिंन करनें की तैयारी कर ली गई है। ताकि संक्रमण की स्थिती में गावों में संक्रमण ना फैल सकें। श्री चौहान ने आगें बताया कि अभी तक जिले में कुल 272 लोग अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों के रूप में आए है। जिनका विधवत पंजीयन किया गया हैं। जिसमें जनपद पंचायत बालौदाबाजार में 35,भाटापारा में 46,बिलाईगढ़ 29, कसडोल 46, पलारी 28 एवं सिमगा में 88 मजदूर शामिल हैं। जिसमें से 19 मजदूर संक्रमित पाये गये है। संक्रमित मजदूरों को लक्षण के आधार पर कुछ को कोविड केयर सेंटर एवं कुछ को क्वाराईटिंन सेंटर भेजा गया हैं। इसमें से अधिकांश मजदूर उत्तरप्रदेश, दिल्ली,एवं जम्मू कश्मीर सहित अन्य राज्यों से आये है। जिले में वापस लौटकर आये प्रवासी मजदूरों के लिए जिले के बॉर्डर एवं रेल्वे स्टैंड भाटापारा में कोविड का टेस्ट सेंटर बनाया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

...जिस घर में ...

का माहौल था लेकिन महामारी मौत बनकर उसका पीछा कर रही थी , ये न तो युवक को पता था न परिजनों को । अब उसके घर में शहनाई बजने की जगह मातम पसरा है। अब 24 तारीख को ही उसका 10वां और 12वा एक साथ होगा। गांव के लोग लापरवाही की हदे पार होने पर सख्त नाराज है । उनका कहना है कि आसपास के गॉवो में कोरोना से ही मौत हो रही है पर जांच के अभाव में उन्हें सामान्य मौत बताया जा रहा है। जिसकी 24 अप्रैल को ही शादी थी । जिसके बाद गांव के ग्रामीणों ने एक अनोखे रूप से मृत्यु के बाद से अनोखे तरीके से सरकार के खिलाफप्रदर्शन किया है, ग्रामीणों ने इस 27 वर्ष के युवक की मृत्यु के बाद ग्राम में इस प्रकार से किसी और कि मृत्यु ना हो जिसके लिए यह अनोखा प्रदर्शन ग्रामीणों ने किया है, जिस प्रदर्शन में आज गांव के किसी भी घर मे चूल्हा नही जलाया गया है, जिसका एक दिन का अन्न सभी घरों से सरकार को देने की बात कही गयी है। *विरोध में गांव के किसी घर में चूल्हा नहीं जला।

सड़ चुकी व्यवस्था में 7 साल में अस्पताल तक शुरू नहीं हो सका : ग्राम में एक युवक की मृत्यु उसे सही समय मे बेहतर इलाज न मिलने के कारण से हो गई है, उल्लेखनीय है कि फरहदा में आज से 7 वर्ष पूर्व एक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया था , लेकिन 7 वर्ष बाद भी आज तक इस स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ छत्तीसगढ़ सरकार नहीं कर पाई है। एक और दुखद पहलू है कि जिसका उद्घाटन आज से 6 महीने पहले 29 सितंबर को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. बाबा और क्षेत्रीय विधायिका अनिता शर्मा के करकमलों के द्वारा किया गया। लेकिन हमारी गांव की इतनी अधिक बदनसीबी है कि अभी तक इस अस्पताल का प्रारंभ नही हो पाया है, यदि यह अस्पताल अभी तक खुल गया होता तो कहीं तक इस युवक को सहीं पर इलाज मुहैया हो जाती, और इनकी जान बच सकती थी।

सहनाई अब उसी दिन बरवा का कार्यक्रम: जिस युवक की कोरोना से मौत हुई उसकी 24 अप्रैल को शादी थी वही उसके परिवार के सभी लोग बहुत खुश थे उन्हें क्या पता था कि यह महामारी उनकी खुशियों पर ग्रहण बन कर टूटेगी और अब सहनाई की जगह उस घर पर मातम छाया हुआ है वही उसी दिन बारवे का कार्यक्रम होगा जिससे वर और वधु पक्ष में मातम छा गया है।

ग्रामीणों को शक -आसपास और भी मौत कारण ही

ग्राम -फरहदा सहित आस-पास 8के ग्रामो में कोरोना से मृत्यु होने वालों की संख्या भी दिनों-दिन बढ़ते जा रही है, जैसे ग्राम फरहदा में एक नौजवान युवक की मृत्यु कोरोना से हुई, वैसे ही फरहदा के पड़ोसी गांव कोसरंगी में भी एक 28 वर्ष की लड़की की मृत्यु हो गयी है, वहीं ग्राम इल्दा में भी एक व्यक्ति से कोरोना से मृत्यु हो चुकी है, वैसे फरहदा के पड़ोसी ग्राम इल्दा की बात की जाए तो पिछले 12 दिनों में यहां 6 लोगो की मृत्यु हो चुकी है, जिसमे की मात्र एक व्यक्ति की ही मृत्यु का कारण कोरोना पॉजिटिव बताया जा रहा है, लेकिन यहाँ और भी जिन लोगो की मृत्यु हुई है, उन लोगो का किसी भी प्रकार से कोविड की जांच नही की गई है और ना ही वें इलाज के लिए अस्पताल के द्वार तक पहुंच पाए है, इससे ग्रामीणों एवं दूसरे ग्राम वासियो के द्वारा भी यह शंका जाहिर की जा रही है, कि इस ग्राम में बाकी लोगो की मृत्यु भी कोविड 19 की वजह से ही हुई है, अब यह तो तभी स्पष्ट हो पाता जब इन लोगो की कोविड की जांच की गई होती।

जब तक जिम्मेदार सो रहे हैं तो गांव को सील करना ही एकमात्र उपाय: इस मृत्यु के बाद ग्राम फरहदा के ग्रामीणों के द्वारा ग्राम के सभी गलियों को बंद कर दिया गया है, गलियों में जाने के सभी रास्ते पूरे सील कर दिये गये है, बाहरी व्यक्तियों को गांव में प्रवेश करना पूर्णतः निषेध है, इसमे ग्रामीणों का कहना है कि इस उपाय से ग्राम वासियो को संक्रमण से बचाया जा सकता है, जिसके कारण से आज गांव के सभी गलियां बाहरी व्यक्तियों के लिए पूर्ण रूप से सील है। मौत से बचाने ये उपाय अभी उन्हें कारगर लगा क्योंकि जब जिम्मेदार गहरी नींद में है।

एक दिन का राशन..

जाने को कहा लेकिन वहाँ भी वेंटिलेटर नही था वही हमने जिला चिकित्सा अधिकारी मीरा बघेल को भी फोन किया था लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। सरपंच ने कहा -मुझे यह बताते हुए बहुत गुस्सा आ रहा है कि मैं उसे बचाने के लिए कुछ नही कर पाया इसलिए आज हम सब ने मिलकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के रूप में आज गांव के किसी भी घर पर चूल्हा नही जलाया ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई

जोन-3 मदरटेरेसा नगर

क्र./जोन-3/न.नि./2021/34/378 सी भिलाई, दिनांक 16/04/2021

// निविदा संशोधन सूचना //

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा कार्यालयीन निविदा सूचना क्रमांक/ लोकवि/जोन-3/2021/3188/ भिलाई दिनांक 23.03.2021 एवं निविदा संशोधन सूचना क्र.-लोकवि/ जोन-3/2021/03 के तहत निविदा आमंत्रित किया गया था। कलेक्टर महोदय द्वारा सम्पूर्ण दुर्ग जिले में दिनांक 19.04.2021 तक कोविड-19 लॉक डाउन लगाने के कारण उक्त कार्य हेतु आमंत्रित निविदा की तिथि में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है। शेष निविदा के नियम एवं शर्त यथावत रहेगी।

क्र.	विवरण	पूर्व में संशोधित तिथि	वर्तमान संशोधित तिथि
1	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	19.04.2021	03.05.2021
2	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	28.04.2021	11.05.2021
3	निविदा खोलने की तिथि	29.04.2021	12.05.2021

जोन आयुक्त

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक- 1816/NIT-2/2021-2022/वलेलि दिनांक 08/04/2021

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 22/04/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 26/04/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 27/04/2021 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में)
1	2	3
2 T0012	नवागढ़ उपखण्ड में नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्य	19.90 15000.00
2 T0013	मल्दा भदराली मार्ग किमी 1 से 5 का साधारण मरम्मत कार्य	20.00 15000.00
2 T0014	बेलटुकरी कटई मार्ग किमी 1 से 3 में साधारण मरम्मत कार्य	20.00 15000.00
2 T0015	खम्हरिया उपखण्ड के विभिन्न मार्गों में WMM एवं BT पैच रिपेयर का कार्य	20.00 15000.00
2 T0016	साजा उपखण्ड के विभिन्न मार्गों में WMM एवं BT पैच रिपेयर का कार्य	20.00 15000.00
2 T0017	देवरी एवं हसदा सेक्शन के विभिन्न मार्गों में WMM एवं BT पैच रिपेयर का कार्य	20.00 15000.00
2 T0018	मुख्यालय एवं खंडसरा उपखण्ड के विभिन्न मार्गों में WMM एवं BT पैच रिपेयर का कार्य	20.00 15000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

जी-60268/4

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

कोरोना के भय ने ले ली कुणाल की जान, परिवार में मातम की स्थिति निर्मित

■ **मृतक युवा बेकरी के संचालक थे**

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में कोरोना का कोहराम लगातार कहर मचा रहा है।गंडई स्वास्थ्य विभाग की टीम भी लगातार एडिचोटी कर उपचार में लगा हुआ है। जहाँ एक तरफ वेक्सीन लगाने का कार्य चल रहा है वही दूसरी ओर कोरोना जांच भी जारी है। नगर में कल शुक्रवार को सुबह इस्पात नगरी भिलाई से गंडई के एक ऊर्जावान होनहार जनक देवांगन के बड़े लड़के कुणाल देवांगन के मौत की खबर नगर में आग की तरफ फैल गई। खबर सुनकर हर किसी की जुबान से यही सुनने को मिलता था कि नही ये न्यूज़ अफवाह है। लेकिन जब शोसल मीडिया में जब कुणाल देवांगन के फोटो और श्रधान्जली देने का शिलशिला जब चला तो लोग यकीन माने। ज्ञात हो कि गत 14 अप्रैल को कुणाल देवांगन को खासी सर्दी होने पर अपने पिताजी के साथ गंडई सी एस सी में कोरोना जाँच कराने गए थे जहाँ उनका रैपिड एंटीजेन टेस्ट किया गया जहाँ रिपोर्ट निगेटिव आया। और आर टी पी सी आर की

रिपोर्ट अभी नही आया है। फिर ज्यादा परेशानी होने पर 16 अप्रैल को सुबह 10 बजे अपने निजिय कार में माता पिता और चाचा के के साथ दुर्ग गए जहाँ प्रायः सभी हास्पिटल में पेसेंट की लंबी लाईन लगी हुई थी और कुणाल का रिपोर्ट निगेटिव आने के कारण किसी भी हास्पिटल में दाखिला नही हो पाया चूंकि सभी हास्पिटल में कोरोना मरीज के लिए लिए एंट्री अलाउ होना बताया गया। दुर्ग भिलाई के प्रायः सभी निजी हास्पिटल में जगह नही मिला इधर कुणाल का हालात गंभीर होता जा रहा था।अंत मे 4 से 5 घंटे तक मशक्कत करने के बाद शाम 4 बजे बजे सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री सरकारी हास्पिटल में दाखिला लिया गया। और ट्रीटमेंट में किया लेकिन जिंदगी और मौत से संघर्ष करते उसी दिन रात्रि लगभग 9 बजे दम तोड़ दिए जाने की जानकारी मिली।

ऊर्जावान होनहार कुणाल देवांगन की प्रारंभिक शिक्षा गंडई के ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल से की वह यहाँ 10 वी तक पढ़ाई कर उच्च शिक्षा के लिए एडुकेशन हब कहे जाने वाले दुर्ग भिलाई में रहकर शिक्षा प्राप्त की। कुणाल की पारिवारिक स्थिति सम्पन्न होने के कारण और पढ़ाई में लगन होने के कारण वह हैदराबाद मुम्बई और गुजराज जैसे बड़े शहरों में रहकर होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया है। परिजनों ने बताया कि उनका राजधानी रायपुर के मैग्नेटो माल में जॉब भी लगा हुआ था।लेकिन वह उसे ना कर खुद मालिक बनने का ख्वाब देखा और गंडई में बेकरी का व्यवसाय लगभग 10 माह पहले चालू किया था और गंडई के मैन चौक में केक वाकर्स के नाम से एक दुकान भी खोला था जिसका भब्य ओपनिंग भी किया था जहाँ बड़े बड़े नेताओं का आना जाना भी लगा रहा। और उसके इस कार्य को देखकर अन्य दुकानदार व्यपारी भी जमकर तारीफ किये थे चूंकि ऐसे दुकान गंडई में एक भी नही था।कुणाल की लगन ने छै महीने में लोगो के बीच खूब नाम कमाया जिसकी चर्चा अंचल में होती रही।

आरटीपीसीआर रिपोर्ट में हो रही है विलंब

वही प्रशासनिक सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिस युवा का उक्त कीट से टेस्ट किया गया था उसका रिपोर्ट 24 घंटे में आया बताया गया। लेकिन 72 घंटे बीत जाने के बाद आज तक पंजीकृत मोबाइल नंबर में रिपोर्ट नही आया है। जिससे कई लोग टेस्ट देने के बाद इधर उधर घूमते रहते है। और रिपोर्ट आने के बाद कोरेनटाइन हो जाते है जब तक उक्त व्यक्ति कई लोगो को संक्रमित कर देते है। जिला हास्पिटल में लगभग 4 हजार आर टी पी सी आर रिपोर्ट की जांच नही हुई है। इस जांच के कार्य में भारी विलंभ हो रहा है।

कुणाल के माता पिता रह चुके है पार्षद

कुणाल के माता कौशिल्या देवांगन और पिता जनक देवांगन वार्ड 13 से एक एक पंचवर्षीय निर्वाचित पार्षद भी रह चुके है। वर्तमान में उनके पिता जनक देवांगन भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष भी है। जनक देवांगन भाजपा के कट्टर कार्यकर्ता पदाधिकारी भी है जिन्होंने पार्टी से टिकट लेकर पार्षद चुनाव भी जीते।

■ न्यूज गैलरी

गर्मी से बेहल बंदरों ने पानी टंकी के पानी से बुझाया अपनी प्यास

खरोरा। घर में शुरू होते ही पानी का संकट गहराने लगा है।। पशु-पक्षी भी पानी को लेकर व्याकुल रहते हैं और पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं ।वही ग्राम केसला में पानी की तलाश में घूमता हुआ बंदर का झुंड घर के ऊपर टैंक में अपनी प्यास बुझा रहा है । गर्मी से व्याकुल के अंदर गांव में की ओर किए पानी की तलाश में गांव में घूसा।

खम्हन ताम्रकार ने सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र दिये आक्सीजन सिलेन्डर

गंडई पंडरिया। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंडई को गुरुवार शाम 5 पूर्व जनपद उपाध्यक्ष जिला किसान मोर्चा महामंत्री खम्हन ताम्रकार ने अपनी माता स्व. सुनीता ताम्रकार की स्मृति मे सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र गंडई को डॉ प्रशांत सोनी की उपस्थिती मे दो नग आक्सीजन सिलेन्डर दान किया है। । ज्ञात हो कि हाल फिलहाल में ताम्रकार को गंडई सी एस सी में सिलेंडर का अभाव देखने को मिला है और कोरोना वायरस के वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के लिए इस हास्पिटल में आने वाले मरीजो को कुछ हद तक राहत मिल सके इसके लिए भिलाई से दो नग आक्सीजन सिलेंडर मंगाया है जिसे गुरुवार को गंडई हास्पिटल के सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रशांत सोनी डॉक्टर चंद्रकांत उर्वसा को सुपुर्द किया गया है । डॉ सोनी ने बताया कि एक सिलेंडर दो मरीजो को अधिकतम दो दिन तक चलेगा। जिससे आपातकालीन आने वाले पेसेंट के लिए काफी राहत पहुँचेगे। हास्पिटल प्रबंधन ने श्री ताम्रकार को इस कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए दिए गए आक्सीजन सिलेंडर के लिए धन्यवाद दिए है। क्षेत्र मे कोरोना का संक्रामण तेजी से बढ़ रहा है कोरोना कुछ दिनो से थमने के बाद संक्रामण काफी तेजी से बढ़ा है और कुछ लोग कोरोना की जंग से हार गए है इसे देखकर श्री ताम्रकार ने अफसोस जताया है। इस भयंकर महामारी से निपटने केलिए अथक प्रयास भी कर रहे है। श्री ताम्रकार ने कहा की ज्यादा से ज्यादा लोग आगे आकर अति आवश्यक वस्तुओ को अपने ओर से प्रदान करे। हम अपने आस पास के अस्पताल को मदद करे ताकि जो कठिन समय अभी चल रहा उसमे कोई भागीदारी आपकी हो जिससे लोगो की जान बचाया जा सके। और अपने घर पर ही रहने का निवेदन भी किया।इस दौरान राजेश ताम्रकार सतीश सोनी राजेश यदु उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार क्षीरसागर द्वारा कोविड-19 से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक वस्तु मेडिकल ऑक्सीजन का जिले में संचालित अस्पतालों में सुलभ वितरण तथा परिवहन सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिले में मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम के कार्यों के सफल क्रियान्वयन हेतु श्रीमती ऋचा ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर (91656-02767) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित कर, समिति गठित किया गया है। समिति में एस.के सिंग, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र गरियाबंद (9826755444) , शैलाभ साहू जिला परिवहन अधिकारी, गरियाबंद (7771841777) , डॉ नेतराम नवरत्न, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गरियाबंद (9479005735) , श्रीमती मीनाक्षी, वैष्णव सहा. औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रसाधन विभाग गरियाबंद (8103407883) सदस्य है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का दूरभाष कमांक 07706 - 241288 है। उक्त गठित समिति जिले में संचालित अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन की आवश्यकता का नियमित रूप से निगरानी करते हुए उसकी उपलब्धता एवं निरंतरता सुनिश्चित करेंगे एवं आपूर्ति न होने की स्थिति में राज्य स्तरीय समिति से समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

खाद्यान्नों के परिवहन, भण्डारण, वितरण, लोडिंग, अनलोडिंग के लिए निर्देश जारी

गरियाबंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार क्षीरसागर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये खाद्यान्नों के परिवहन, भण्डारण, वितरण, लोडिंग, अनलोडिंग एवं उससे संबंधित सहायक गतिविधियाँ के लिए दिशा निर्देश जारी किये है। आदेश में शासकीय उचित मूल्य दुकानें/भण्डारण/भण्डारगृह एवं उसमें प्रयुक्त वैयक्तिकों का संचालन सम्मिलित है। गरियाबंद जिले में नागरिक आपूर्ति निगम के गरियाबंद/राजिम/मैनपुर/ देवभोग प्रदाय केन्द्र स्थित राज्य भण्डारगृह निगम गोदामों से जिले की उचित मूल्य दुकानों में माह अप्रैल 2021 का शेष एवं मई 2021 का आबंटन का पूर्व भण्डारण निर्धारित समय-सीमा पर पूर्ण किया जाना है। भण्डारण के दौरान गोदामों में मास्क/साबुन/सेनेटाईजर की पूर्ण व्यवस्था भण्डारगृह निगम द्वारा की जावेगी। उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण के लिये भौगोलिक क्षेत्र जैसे वार्ड/मोहल्ला/ग्रामवार हितग्राहियों को टोकन जारी कर नियंत्रित तरीके से राशन वितरण किया जावे। शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन के समय दुकान के सामने रस्सी/बांस-बल्ली का घेरा लगाना आवश्यक होगा। दुकान संचालक को वितरण के समय हितग्राहियों के मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करना आवश्यक होगा तथा क्रेता को भी मास्क का उपयोग के साथ ही साथ 02 गज की दूरी बनाये रखना अनिवार्य होगा।

कोविड अस्पताल के गुणवत्ताहीन भोजन का विवाद दो दिन के हंगामे के बाद थमा

शुक्रवार को मरीजो ने खाना के बाद कहा पौष्टिक है भोजन

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोविड हास्पीटल गरियाबंद में गुणवत्ताहीन भोजन को लेकर उपजा विवाद दो दिन के हंगामे के बाद शुक्रवार को थम गया। शुक्रवार को सुबह शाम दोनो समय खाना खाने के बाद मरीजो ने कहा कि आज वे खाने से संतुष्ट है, आज मिला भोजन ताजा, गरम और पौष्टिक था। इसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

ज्ञात हो कि बिते दो दिनो से कोविड हास्पीटल में गुणवत्ताहीन भोजन देने के लेकर मरीजो ने जबर्दस्त हंगामा किया था जिसके बाद प्रशासन ने वेंडर को बदलने के साथ ही भोजन की जांच के लिए जिला खाद्य अधिकारी तरूण बिरला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया था। गुरूवार को हालात बिगड़ने के बाद कलेक्टर सहित आला अधिकारी व्यवस्था में सुधार के लिए और मरीजो को समझाने अस्पताल पहुँचे थे। जिसके बाद नया भोजन तैयार कर मरीजो दिया गया था तब उन्होने खाना खाया था। इस बीच कलेक्टर ने वेंडर को कड़ी चेतावनी थी। इस दौरान दो दिन में करीब 80 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज भी कर दिए गए।

इधर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार सुबह 6 बजे से ही नोडल अधिकारी बिरला अस्साल पहुचे और अपनी देखरेख में ही ताजा भोजन तैयार कराया। स्वयं भोजन चख कर देखा और जब वे संतुष्ट हुए उसके बाद भोजन मरीजो के लिए भेजा गया। इस दौरान व्यवस्था में फेरबदल करते हुए मरीजो को भोजन के पैकेट वितरण का तरीका भी बदला

गया। दरअसल एक साथ 200 से अधिक पैकेट तैयार करने के चलते पैकेट में गरम खाना का पसीना रिसा जाता था और उसके कारण भोजना का स्वाद बदलने के साथ ही मरीजो को बासी लगने लग रहा था। शुक्रवार को नए व्यवस्था करते हुए खाना को धीमे ताप में लगातार गरम रखा गया और बारी बारी 25-25 के पैकेट तैयार कर भोजन मरीजो तक पहुचाया गया। जिसके चलते सभी मरीजो को गरम खाना मिला और उन्होने किसी प्रकार की शिकायत नही की। इस दौरान नोडल अधिकारी ने मरीजो से भोजन के पैकेट मिलते ही खाना खाने की अपील की थी।

हंगामे में बाद भोजन के गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही शुक्रवार को निर्धारित समय में ही भोजन मिला। सुबह 12:30 से 1 बजे के बीच वही शाम को 7:30 से 8 बजे के बीच सभी मरीजो को भोजन पैकेट बांट दिया गया था। जिसके चलते समय में लेत लटीफी को लेकर आने वाली शिकायत भी अब दूर हो गई।

इधर नोडल अधिकारी तरूण बिरला ने बताया कि मरीजो को रोजाना ताजा खाना ही दिया जा रहा था गुरूवार सुबह से वे स्वंय वहां मौजुद है। गुरूवार को भी उनके सामने खाना बना था जो पूर्णत ताजा था। लेकिन बड़ी संख्या में खाना का पैकेट तैयार होने के कारण वह मरीजो तक पहुचने के बाद ठंडा हो जा रहा था। लेकिन शुक्रवार को व्यवस्था सुधारने के बाद खाने की गुणवत्ता में किसी प्रकार की शिकायत नही आई।

इधर दो दिन तक चले हंमागे और गुणवत्ताहीन खाने की शिकायत के बाद प्रशासन ने अब व्यवस्था सुधरने का दावा किया है दूसरी ओर दो दिन तक चले शिकायत विवाद के बाद अब सवाल उठ रहा है कि प्रशासन और मरीजो में कौन कहा तक सही था। इस बीच अस्पताल से 80 मरीज डिस्चार्ज भी हो गए। रोज नए मरीज सामने के आने के बाद फिर से एक दो दिन में अस्पताल में मरीजो की संख्या बढ़ जाएगी, उस स्थिति में देखना लाजमी होगा कि क्या फिर शिकायत आती है या फिर प्रशासन का दावा आगे भी बरकरार रहता है।

जिले में पाजीटीव मरीजो की संख्या 3609 मरीज पहुंच चुकी हैं

■ **कुल पाजीटीव मरीज अब तक - 8883**

■ **कुल डिस्चार्ज हो चुके मरीज अब तक - 5265**

■ **कुल कोविड अस्पताल में भर्ती मरीज - 291**

■ **कुल होम आइसोलेशन मे भर्ती मरीज - 2961**

■ **कुल एक्टिव मरीज - 3498**

1 अप्रैल	53
2 अप्रैल	89
3 अप्रैल	104
4 अप्रैल	54
5 अप्रैल	150
6 अप्रैल	62
7 अप्रैल	158
8 अप्रैल	118
9 अप्रैल	190
10 अप्रैल	202
11 अप्रैल	327
12 अप्रैल	390
13 अप्रैल	395
14 अप्रैल	436
15 अप्रैल	734

कुल - 3463 मरीज।

नोट - आकंड़ो में थोड़ा अंतर हो सकता है।

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में अप्रैल माह में अब तक मिल चुके पाजीटीव मरीजो की संख्या 3609 मरीज पहुंच चुकी हैं, पहली बार ऐसा हुआ है कि एक महिने में इतनी बड़ी संख्या में मरीज सामने आए है। अभी माह के 15 दिन और बाकी है। इसके पहले किसी भी महिने में आकड़ा 2000 तक नही पहुचा था। देखा जाए तो साल भर में कुल 5 हजार मरीज तक सामने नही आए थे। इस बार 15 दिन में ही 3 हजार से अधिक मरीज सामने आ चुके है।

योगेश तिवारी ने बेमेतरा विधानसभा के शहर व गांवो को सेनेटाइज करने का उठाया बीड़ा

■ **बेमेतरा विधानसभा के शहर व गांव होंगे सेनेटाइज, 5 टीमों का गठन**

बेमेतरा। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किसान नेता योगेश तिवारी ने बेमेतरा शहरी क्षेत्र समेत ग्रामीण इलाकों को सेनेटाइज करने का बीड़ा उठाया है। अभियान के तहत पांच फील्ड टीम का गठन किया गया हैं। किसान नेता ने कहा कि सोमवार से सेनेटाइज करने के अभियान को शुरू किया जाएगा, जो शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों को सेनेटाइज करने के लिए पांच वाहनों की व्यवस्था की गई हैं। उन्होंने बताया कि बेरला ब्लॉक में 2 टीम, रायपुर मार्ग स्थित गांवों के लिए 1 टीम, बेमेतरा व देवरबीजा क्षेत्र के गांवो के लिए 2 टीम एवं 1 टीम को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल की अवधि में बीते साल भी किसान योगेश तिवारी की ओर से बेमेतरा विधानसभा के शहरी व ग्रामीण इलाकों को सेनेटाइज किया गया था। इसलिए क्षेत्र की जनता के लिए अपने सामाजिक दायित्वों को समझते हुए इस बार भी सेनेटाइज करने का अभियान शुरू किया जा रहा है, ताकि संक्रमित स्थलों के सेनेटाइज होने से संक्रमण फैलने की संभावना खत्म हो जाए, सोडियम हाइपोक्लोराइट से सेनेटाइज किया जाएगा।

महामारी में पिता को खोया, स्वयं जनता के आशीर्वाद व दुआओं से बचा - किसान नेता ने बताया कि इस अभियान में महिला कमांडो, समाजसेवी व युवाओं का सहयोग लिया जाएगा। गांवो को सेनेटाइज करने रोजाना फोन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस महामारी के कारण बीते साल अपने पिता को खोया हैं। बेमेतरा की जनता की सेवा करने के दौरान खुद पॉजिटिव हो गया था, क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद व दुआओं के कारण स्वस्थ्य होकर तन, मन व धन से फिर जनता की सेवा में लग गया हूं।

लॉकडाउन के दौरान ताजी सब्जी और फल के लिए तरस रही आम जनता और मरीज

गरियाबंद। जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 13 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पूर्णत लाकडाउन लगा दिया गया। इस दौरान किराना, सब्जी से लेकर फल दुकान तक सभी दुकानो को बंद रखा गया। इसके चलते इस बार आम जनता सहित कोरोना पाजीटीव मरीज ताजी सब्जी और फल के तरस रहे है। चार दिन पहले लोगो ने बाजार से ताजी सब्जी और फल खरीदे थे इसके बाद से लोगो को ताजी सब्जी के दर्शन ही नही हुए। वही फल भी चार पहले ही मार्केट में खत्म हो गए थे।

इधर कोरोना पाजीटीव आने के बाद मरीजो को लगातार हरी सब्जी और फल जुस पीने के लिए चिकित्सीय सलाह दी जा रही है परंतु लाकडाउन के चलते मरीजो को ताजे फल सब्जी नही मिल पा रहे है। वही आम जनता भी जो अपने स्वास्थ्य के लिए रोजना ताजा सब्जी और फल का सेवन करते है वही फल सब्जी के लिए परेशान है। आम जनता ने प्रशासन से मांग की है कि कम से कम फल सब्जी के दुकानो को लाकडाउन के दौरान कुछ घंटो के लिए छुट दी जाए। ताकि लोग और कोरोना मरीजो को ताजा सब्जी फल मिल सके है। इसके अलावा व्यापारी भी कुछ समय के लिए इन दुकानो को खोलने की मांग कर रहे है।

ज्ञात हो कि कोरोना पाजीटीव आने के बाद से मरीजो के खाना खाने का मन कम हो जाता है इसके अलावा खाने का स्वाद भी बदल जाता है, ऐसी स्थिति में मरीजो को फल और जुस की आवश्यकता अधिक होती है परंतु पूर्णत लाकडाउन के कारण उनके स्वास्थ्य को भी नुकसान हो रहा है। पौष्टिक आहार में कमी आने के चलते जरूरी विटामिन और प्रोटीन के लिए मरीजो के लिए केवल फल और जुस ही सराहा है लेकिन प्रशासन द्वारा फल दुकानो को खोलने की अनुमति नही दी गई है जिसके चलते मरीज काफी परेशान है।

महीनों से हितग्राहियों को पेंशन नहीं प्रशासनिक कड़ी सचिव भी उदासीन

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। पंचायत के ग्रामीणों और प्रशासन के बीच की कड़ी ग्राम पंचायत सचिव को माना जाता है। लेकिन ग्राम पंचायत नयापारा के सचिव अपनी भूमिका से निभाना छोड़कर पेंशन धारियों को इस आपदा के समय प्रशासन के भरोसे छोड़ रखा है। तभी महीनों से पेंशन धारी अपने सामाजिक वृद्ध विधवा सहित अन्य पेंशन के लिए काफी जद्दोजहद कर रहे हैं । नयापारा पंचायत के पेंशन धारी हितग्राहियों की माने तो पंचायत सचिव कभी-कभार आते हैं। और पंचायत में चंद मिनट बैठ कर लौट जाते हैं। जिसके चलते पेंशन नहीं मिलने की जानकारी से अवगत नहीं करा पाते और कुछ हितग्राही अवगत कराने पर ऑनलाइन पेंशन जमा होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। शायद यही वजह है कि महीनों से पेंशन के लिए 60 से 80 साल के बुजुर्ग भटक रहे हैं।

जबकि यह पेंशन के सहारे अधिकांश हितग्राही गुजर बसर करते हैं ।80 वर्षीय रघु सिंह माझी ने बताया कि कई महीनों से पेंशन नहीं मिल रहा है। जिसे लेकर ग्राम पंचायत सचिव को अवगत कराया गया लेकिन सचिव द्वारा जनपद अधिकारियों को अवगत कराने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया ।तब से लेकर आज तक ना पेंशन का पता है ना सचिव के दर्शन हो रहे हैं। इसी तरह गुंजो बाई ने भी बताया की बीते 6 माह से पेंशन नहीं मिला है स्वयं बैंक मित्र के समक्ष जाकर खाता जांच कई बार करा चुके हैं लेकिन हर बार की तरह पेंशन राशि जमा नहीं होने की बात कही जाती है । ऐसे ही गांव के कई हितग्राहियों को दो से तीन माह का पेंशन नहीं मिल पाया है। जबकि लॉकडाउन को मद्देनजर रखते हुए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ सचिव को भी जिला बंद होने से पहले पेंशन राशि दिलाने के लिए गुहार लगाया गया रहा। ताकि लॉकडाउन के दौरान किसी के समक्ष हाथ फैलाने की नौबत ना आए। लेकिन आखिरकार पंचायत सचिव की उदासीनता के चलते पंचायत के पेंशन धारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल पाया । जबकि शासन द्वारा हर माह पेंशन की राशि जारी किया जाता है। फिर भी पेंशन नहीं मिल पाता और इससे जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारी भी अच्छी तरह अवगत होते हैं। लेकिन कार्यवाही तो दूर की बात हितग्राहियों की पूछ परख तक नहीं हो पाती। मतलब मुख्यालय से कोसों दूर होने का फायदा इन दिनों उदासीन सचिव जमकर उठा रहे हैं।तभी हितग्राहियों द्वारा ग्राम पंचायत सचिव से सवाल करने पर जनपद अधिकारियों के ऊपर लाद कर अपने जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। इसी का नतीजा है कि आज महीना दर महीना बीतने को है। लेकिन पेंशन हितग्राहियों के हाथ नहीं लग पाया है। जिसके चलते जरूरत की छोटी-छोटी चीज भी लॉकडाउन से पहले नहीं लिया जा सका जिससे आक्रोश पेंशन हितग्राही लॉकडाउन के बाद सीधा जिला पंचायत सीईओ को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराते हुए पेंशन दिलाने की मांग करने की बात कही है।

> पेंशन सबको दिया जा रहा है और जिसके खाते में ऑनलाइन नहीं आया है इसकी जानकारी नहीं है
>
> **भोज नाथ भाटी,** सचिव ग्राम पंचायत नयापारा

17_Nav pradesh Page_08.qxd 17/04/2021 7:50 PM Page 1

छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने फैसलो से जनता में विश्वास पैदा किया

इस भरोसे को तोड़ने के लिए भाजपा अफ़्वाह और दहशत फैलाने की राजनीति कर रही है

■ भाजपा को अपना नाम बदलकर भाचंपा रख लेना चाहिये

■ भाजपा को जनता से नहीं बल्कि चंदा से ही सरोकार रह गया है

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि विपत्ति में सच्चे मित्र की पहचान होती है । कांग्रेस और भाजपा के विजन का अंतर और उस अंतर का परिणाम अब करोना महामारी के बाद पूरी तरह देश के सामने स्पष्ट हो चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने फैसलों से जनता में विश्वास पैदा किया है। इस भरोसे को तोड़ने के लिए भाजपा अफ़्वाह और दहशत फैलाने की राजनीति कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि करोना संक्रमण की सेकंड वेव में पूरे देश की हालत चिंताजनक है। देश में जब करोना पहली बार आया था तब भी और अब सेकंड वेव के समय भी केंद्र सरकार ने बेहद गैर जिम्मेदाराना ढंग से काम किया है। करोना संक्रमण की शुरुआत में पीएम केयर्स फंड बनाकर राशि एकत्रित की गई लेकिन इस राशि का करोना से लड़ने की तैयारी करने में कोई समुचित उपयोग नहीं किया गया। मोदी सरकार देश को यह भी बताने को तैयार नहीं है कि

एक लाख करोड़ की इस राशि का क्या उपयोग किया गया। राम मंदिर चंदे के बाद पीएम केयर्स फंड के मामले को देखते हुए भाजपा को अपना नाम बदलकर भाचंपा रख लेना चाहिए। अब भाजपा को जनता से नहीं बल्कि चंदा से ही सरोकार रह गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि करोना से लड़ने के नाम पर इकट्ठा किए गए पीएम केयर्स फंड का कहीं कोई अता पता नहीं है। आरोग्य सेतु एप देश के साथ किया गया एक और क्रूर मजाक साबित हुआ। देश की जरूरतों का सही आकलन किए बगैर करोना वैक्सीन और रैम्सडीवीर जैसी आवश्यक दवाओं का अंधाधुंध निर्यात किया गया जिसका परिणाम देश में इनकी कमी के रूप में सामने आया है। टीका उत्सव के 4 दिन में उसने टीके नहीं लगे जितने इस उत्सव के शुरू होने के 4 दिन पहले लगे थे देश में। कोरोना महामारी के चलते हो रही मौतों के समय उत्सव नामकरण ने पीड़ित परिजनों की भावनाओं को आघात पहुंचाने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण के द्वारा लगातार कई दिनों तक पत्रकार वार्ता लेकर घोषित किए गए 20 लाख करोड़ के करोना पैकेज देश में किसको मिला अभी तक कोई नहीं बता पाया । करोना से लड़ने के नाम पर मोदी सरकार ने सिर्फजुमलेबाजी की और उसका परिणाम आज पूरा देश भुगत रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि लगातार खबरें हैं कि गुजरात उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में करोना संक्रमित और करोना के परिणाम स्वरूप होने वाली मृत्यु की संख्या जितनी बताई जा रही है उससे बहुत अधिक है। भाजपा शासित राज्यों खासकर उत्तर प्रदेश गुजरात और मध्य प्रदेश में स्थिति बेहद बिगड़ चुकी है। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में लाल पैथोलॉजी लैब और एस आर एल नामक निजी जांच कर्ताओं को करोना की जांच बंद करने के लिए कहा गया है । मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ की तुलना में मात्र आधी जांच हो रही है जबकि छत्तीसगढ़ में विगत डेढ़ माह में करोना टेस्टिंग की संख्या में हुआ डेढ़ गुना का इजाफा। भाजपा शासित राज्य करोना की जांच ही नहीं कर रहे हैं और फिर भी छत्तीसगढ़ से अच्छा नहीं कर पा रहे हैं ।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि भाजपा की छत्तीसगढ़ ईकाई को केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों की सरकारों की कमियों को छुपाने के लिए राज्य सरकार के खिलाफझूठे आरोप लगाने और अफ्वाह फैलाने के लिए निर्देशित किया गया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के इशारे पर छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता करोना के मोर्चे पर अच्छा काम कर रही राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अफ्वाह फैलाने और दहशत फैलाने का अभियान चला रहे हैं। थाली शंख बजाने का मोदी यंत्र फेल हो गया तो कांग्रेस की राज्य सरकारों को जिम्मेदार ठहराने की कुचाल चली जा रही है। भाजपा के छत्तीसगढ़ के तमाम नेता अफ्वाह फैलाने और दहशत फैलाने के कुचक्र में लग गए हैं।

कंटेनर में 52 मवेशियों को भरकर कराया जा रहा था सीमा पार

ग्रामीणों ने दिखाई सूझ-बूझ, 13 मवेशियां मर चुके थे बाकी 39 मवेशियां जिंदा थे

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर/भोपालपट्टनम - नवप्रदेश। छग की राजधानी रायपुर के आसपास से एक कंटेनर गाड़ी में 52 मवेशियों को भरकर सीमा पार कर मवेशियों को तस्कर तेलंगाना राज्य ले जाया जा रहा था। तब सीमा पर लगी नाका पर सुबह लगभग 6:00 बजे नाका पर चौकीदार चिलम राममूर्ति का पुत्र चिलम अजीत के साथ कुछ और तिमेड के ग्रामीण उस कंटेनर को नाका के पास रोकना चाहा तो ड्राइवर नाका को तोड़ते हुए महाराष्ट्र सीमा में प्रवेश किया उक्त ग्रामीणों ने असरअली फोन कर जानकारी दी। वहां भी ग्रामीणों द्वारा रोकने का प्रयास किया गया लेकिन ड्राइवर साइड से कटकर स्पीड से गाड़ी आगे बढ़ाने में कामयाब हो गया। सिरोचा तहसील के पेटीपाका के ग्रामीणों द्वारा हाईवे पर ट्रैक्टर का केजबिल डालकर रोकना चाहा तो नहीं रोका केजबिल कंटेनर की नीचे फंस कर कुछ दूर रोड पर रगड़ कर जाने से गाड़ी का एक्सेल राड टूट कर कंटेनर रोड के एक ओर उतर गई, जिससे आनन-फानन में ग्रामीणों ने कंटेनर तक पहुंचते तक ड्राइवर उतर कर भाग गया ग्रामीणों द्वारा कंटेनर में देखा गया तो 52 मवेशियों थे, जिसमें 13 मवेशीया मर चुके थे बाकी जिंदा थे यह गाड़ी क्रमांक सीजी 04 जेबी 01 26 हरि ओम रोड लाइंस की गाड़ी थी, जिसकी शिकायत सिरोंचा थाना में दी गई है घटना की पतासाजी की जा रही है।

नाका या चौकियों में क्यों रोक कर जांच नहीं की जा रही

यह पूरी घटना को देखा जाए तो जब मवेशियों को लेकर राजधानी रायपुर के आसपास से कंटेनर आ रही था तो आगे के नाका या चौकियों में क्यों रोक कर जांच नहीं की जा रही थी। इससे पूर्व भी कुछ माह पहले महाराष्ट्र के आसरली में मवेशियों पकड़ा गया था जिससे यह पता चलता है कि छग से बड़े पैमाने में मवेशियों को ले जा रहे हैं। यहां की खुफिया तंत्र को नहीं मालूम होता लेकिन महाराष्ट्र को पता चल जाता है। यह एक विचारनीय बात है जिससे पता चलता है कि यहां की खुफिया तंत्र की खामियां हैं यह बड़े पैमाने पर मिलीभगत से यह गोरखधंधा फल फूल रहा है। एक तरफ छग की भूपेश सरकार नरवा घुरवा गरवा जैसे महत्वपूर्ण योजनाएं बनाकर पशुधन के तहत सरकारी खजाने के लाखों करोड़ों रुपया खर्च कर मवेशियों के लिए गौठान बना रही है। हर किसान से गोबर खरीद कर जैविक खाद तैयार कर रासायनिक खादों का उपयोग को कम करने की प्रयास कर रही हो तो एक और इस प्रकार मवेशियों का बहुत बड़ा तस्करी हो रही है। जब मवेशियों नहीं रही तो इन महत्वपूर्ण योजनाओं का कोई औचित्य ही नहीं है। यह छग राज्य से और भी बहुत से वस्तुओं का जोकि महाराष्ट्र व तेलंगाना ने प्रतिबंध है, उन्हें भी बड़े पैमाने पर सीमा पार से तस्करी की जा रही है, जिसे उचित समय पर प्रतिबंध नहीं लगाने पर या आने वाले समय में एक विकराल रूप धारण कर सकता है।

तेंदूपत्ता संग्रहण पर हाथी और मौसम के बाद कोरोना ग्रहण

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । तेंदूपत्ता को परिपक्व होने में अभी पखवाड़े भर का समय है। एक मई से संग्रहण करने की घोषणा वन विभाग ने कर दी है। संग्रहण कार्य में पहले हाथी और मौसम का खतरा रहता था। अब कोरोना की वापसी लहर बढ़ने और लाकडाउन शुरू होने के बाद संक्रमण का भी खतरा मंडराने लगा है।

जिले में दो वन मंडल हैं कटघोरा 85 और कोरबा में 42 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष?य निर्धारित किया गया है। दोनों ही वन मंडल में 72 हजार संग्राहक परिवार पत्तों का संग्रहण करते हैं। कटघोरा के पसान में हाथियों उत्पात पहले से ही जारी है। अब कोरबा वन मंडल के कुदमुरा में भी हाथियों ने दस्तक दे दी है। ऐसे में दोनों ही वनमंडलों में तेंदूपत्ता संग्रहण कम होने की संभावना बढ़ गई है। लाकडाउन की आर्थिक संकट से जूझ रहे लोगों को अब तेंदूपत्ता संग्रहण से आस बंधी है। बीते वर्ष भी संक्रमण जारी होने से संग्राहक पर्याप्त पत्तों का संकलन नहीं कर पाए थे। कटघोरा वन मंडल में 76 हजार और कोरबा में 47 हजार मानक बोरा पत्तों का संग्रहण हुआ था। जिस तरह जंगल व ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों का उत्पाद पहले से खतरनाक हो गया है। उसी तरह दूसरी लहर के बाद कोरोना का संक्रमण भी जानलेवा साबित हो रहा है। इधर मौसम के भी मिजाज में में पिछले कुछ दिनों से उतार चढ़ाव जारी है। मई के शुरुवात में दशा ऐसी रही तो संग्राहकों को मुश्किल होगा।

संग्राहक ठेकेदारों से संक्रमण फैलने का खतरा

तेंदूपत्ता संग्रहण कराने के लिए महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल से यहां ठेकेदार आते हैं। इन प्रदेशों में संक्रमण जारी है। एक भी संक्रमित ठेकेदार के पहुंचने से फड़ों में संक्रमण का खतरा है। बीते वर्ष बाहर से आने वाले ठेकेदारों को सप्ताह भर के क्वारंटाइन के बाद ही फड़ में जाने दिया गया था। इस बार भी ऐसी ही तैयारी चल रही है। अभी ठेकेदारों का आना शुरू नहीं हुआ है।

रेंज में हाथी के आते ही बंद कर दिया जाएगा संग्रहण

कटघोरा वन क्षेत्र में हाथियों की उत्पात को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी संजय मरकाम ने पहले ही घोषणा कर दी है कि किसी भी रेंज में हाथी के आने की सूचना मिलते ही संग्रहण कार्य तत्काल बंद कर दिया जाएगा। पत्तों की तोड़ाई तब तक शुरू नहीं होगी जब तक हाथियों से रेंज खाली न हो जाए। एक निश्चित समय बाद तोड़े गए पत्ते अनुपयोगी हो जाते है। रेंज में हाथी रहे तो ग्रामीणों संग्रहण कार्य से वंचित होना पड़ेगा।

संकटकाल में नहीं बढ़े दाम

संकट कल में तेंदू पत्तों के दर में बीते वर्ष की तरह दर को 400 रुपए प्रति सैकड़ा यथावत रखा गया है। दर में बढोतरी नहीं होने से संग्राहकों में निराशा देखी जा रही है। महुआ का सीजन अब खत्म होने को है। इसके भी दाम बीते वर्ष की तरह 35 रुपये ही निर्धारित है। केवल इमली के दाम में ही इस बार बढ़ोतरी हुई है। उपज कम और बाजार बंद होने से संग्राहकों को लाभ नहीं मिल रहा है।

तांदुला नदी से निकाल रहे थे रेत पुलिस ने 4 ट्रेक्टर को किया जप्त

लगातार अवैध रेत निकासी करने की मिल रहा था शिकायत

गुंडरदेही। गुंडरदेही के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकोसा गुंडरदेही थाना प्रभारी ने आज नदी में पहुंचकर रेत भरे चा ट्रैक्टर पर किया अवैध परिवहन की कार्यवाही।

पूरा मामला गुंडरदेही क्षेत्र के सिकोसा नदी के तांदुला नदी का सीना चीरकर लगातार लॉक डाउन का नियमों को ताक में रखकर रेत माफ़ियाओं के द्वारा लगातार रेत निकालने की सिलसिला चल रहा था रोहित मालेकर के क्वॉरेंटाइन में होने के कारण नया थाना प्रभारी नवल किशोर कुमार कश्यप ने अपने पेट्रोलिंग पार्टी के साथ आज सुबह 5: बजे नदी में पहुंच गये थे और लगातार चर्चा में रहने वाले सीकोसा के चार रेत माफ़ियाओं पर की कार्यवाही बताया जा रहा है ।

अभी तक मालिक नहीं पहुंचा है पर थाना प्रभारी ने स्वयं एक ट्रैक्टर सनोद रेत घाट से अवैध परिवहन करते हुए एक रेत गाड़ी जब्ती की है वही गुंडरदेही के सीकोसा ईरागुड़ा नदी किनारे थे तीन ट्रैक्टर को पकड़ा गया है बताया जा रहा है ट्रैक्टर पकड़ने में मुख्य भूमिका निभाने वाले हवलदार वीरेंद्र साहू ,आरक्षक तपेश्वर देवांगन ,आरक्षक प्रवीण सोनी के विशेष प्रयास से आज रेत माफ़ियाओं को नदी में दबोचा गया पुलिस के आते ही सूचना पाकर रेत माफ़ियाओं में से कुछ लोग तो ट्रैक्टर का इंजन लेकर भाग गए और नदी में छोड़ दिया फिर भी आरक्षक की प्रयासों से इंजन ढूंढ कर निकाले और अभी-अभी पुलिस थाना लाया गया फ़िलहाल मालिक के आने के बाद ही पूर्ण कार्यवाही करेंगे।

इधर सिकोसा के सूत्रों से जानकारी के अनुसार जो ट्रैक्टर मालिक है वह काफी दिनों से लगभग 200 ट्रैक्टर रेत निकाल चुके हैं जबकि एक तरफ लोग महामारी से जूझ रहे हैं । कोरोना लॉकडाउन का नियम उल्लंघन कर रेत के परिवहन कर रहे थे वैसे तो लोग जब सो जाते हैं तो दोपहर में किराया के जेसीबी निकालकर आम बगीचा के आसपास से भी इन्होंने रेत निकालकर अवैध रूप से ईंट भट्ठा में परिवहन करते हैं। अब देखना होगा ट्रैक्टर पर तो कार्रवाई होगा पर रेत माफ़ियाओं पर लॉकडाउन उल्लंघन की कार्रवाई होता है कि नहीं ,पुलिस अपनी ईमानदारी से कार्य तो कर रही है पर खनिज विभाग के संरक्षण और निष्क्रियता के चलते रेत माफ़ियाओं की संख्या बढ़ रहा है ,अब गुंडरदेही नगर के डोकरी घाट रंगकटेरा चंदनबिरही नवागांव के अवैध रेत घाट में भी कार्यवाही करने की आवश्यकता है ।

> अवैध रेत परिवहन की शिकायत लगातार मिल रहा था इसलिए आज नदी पहुंचकर कार्रवाई किया गया है।
>
> **नवल किशोर कश्यप,** थाना प्रभारी

सरकारी शराब दुकानों के बंद होते ही एमडी का बढ़ा कारोबार

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। लाकडाउन के चलते सरकारी शराब दुकाने जिले भर में बंद हो चुकी हैं। ऐसे में कच्ची शराब की मांग बढ़ने लगी है। गांव में इन दिनों महुआ संग्रहण का सीजन चल रहा है। आसानी से महुआ उपलब्ध होने और 200 से 300 रूपये लीटर बिक्री होने से कच्ची शराब बनाने का कारोबार जोर पकड़ने लगा है।

कोरोना संक्रमण के चलते आगामी 22 अप्रैल तक अन्य दुकानों की तरह शराब दुकानों में भी ताले लग गए हैं। आबकारी विभाग की उदासीनता के चलते जमकर ग्रामीण इलाकों मे अवैध कच्ची शराब की बिक्री की जा रही है। कोरोना काल की आपदा शराब की अवैध बिक्री करने वालों के अवसर बनकर आया है। जिले नदी तटों में लाहन डालकर शराब बनाए जा रहे हैं। कोरबा पंतोरा मार्ग में कनकी के पास धनुहार पारा में सुबह से थोक में शराब ले जाने वालों की भीड़ रहती है। इसी तरह बालको के रोगबहरी, छुरी के घमोटा, बिंजपुर, त्रिवेणी संगम व जटांगपुर, चैतमा के बांसटाल में भारी मात्रा में प्रति दिन खासी मात्रा में शराब खप रही है। इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही। व्यवसायिक पैमाने पर तैयार हो रहे

शाम होते ही लग जाती है भीड़

शराब की खरीदी कर कारोबार करने वालों के अलावा प्रतिदिन सेवन करने वालों की भीड़ अड्डों पर बनी रहती है। कोरोना संक्रमण के बावजूद नियम की अवहेलना हो रही है। बिक्री के लिए लोगों की श्रृंखला बनी हुई है। जिनके माध्यम से शराब गांव से शहर तक पहुंच रहा है। लाकडाउन में कमाई का आसान जरिया होने से अधिक से अधिक लोग इस कारोबार में शामिल हो रहे हैं।